mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-200 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
21 जुलाई 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

संसद तक पहुंच गए थे प्रदर्शनकारी, आंसू गैस छोड़ी लाठीचार्ज किया;सीजेपी डेलीगेशन नड्डा से मिला

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को भी वहां से खदेड़ा जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया।

उधर, सीजेपी का दावा है कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया है। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए।

मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए।प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।पुलिस के एक्शन के बाद इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में अलग-अलग जगहों पर ले जाया जा रहा था - प्रदर्शन वाली जगह से दूर - ताकि वे दोबारा इकट्ठा न हो सकें और कानून-व्यवस्था में खलल न डालें। एक सूत्र ने बताया कि चेतावनी देने के बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा। साथ ही, पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों के बैकग्राउंड की जांच करेगी ताकि यह पता चल सके कि क्या उनमें से किसी का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी सांसद संसद में मौजूद थे।इस पूरे घटनाक्रम के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि जेपी नड्डा से मिले। इनका दावा है कि नड्डा ने उन्हें यह भरोसा दिलाया है कि जंतर-मंतर और उसके आस-पास अब कोई कार्रवाई नहीं होगी।

जेपी नड्डा ने कहा- प्रदर्शनकारियों से धरना खत्म करने की अपील की

आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से ही हमारी बातचीत जारी है। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई। मैंने सभी प्रदर्शनकारियों से अनुरोध किया कि वे अपने धरने को समाप्त करें और सामान्य स्थिति बहाल करने में प्रशासन की मदद करें।

नड्डा से मिले सीजेपी के प्रतिनिधि, बोलेः ठोस आश्वासन नहीं मिला

सीजेपी के नेता सौरव दास ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी।सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है।उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे।

जेपी नड्डा ने मांगा समय, सीजेपी ने रखीं तीन मांगें

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधि आशुतोष रांका नेदावा किया कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने उनकी मांगों पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए कुछ समय मांगा है। रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा कि सीजेपी ने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं।पहली- सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए।दूसरी- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।तीसरी- NEET-UG 2026 की तैयारी कर रहे जिन अभ्यर्थियों ने आत्महत्या की, उनके परिजनों को 1-1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए।

चढ़ावा चोरी, पेपर लीक को लेकर संसद में हंगामा

खड़गे बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

नई दिल्ली,एजेंसी। मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा में नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया ।उधर लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्षी नेताओं ने NEET-UG पेपर लीक और राम मंदिर चढ़ावा चोरी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की मांग की। कई सांसद पोस्टर, बैनर लेकर आए ।इस बीच कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल लोकसभा में पेश किया ।इससे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-एक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

राज्यसभा : वंदेमातरम का अपमान

अपराध होगा, कानून बना तो सजा और जुर्माना भी

मोदी सरकार राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026 पहले राज्यसभा में पेश करने वाली है। 1971 के अधिनियम के तहत मुख्य रूप से राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान का अपमान करने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके तहत राष्ट्रीय सम्मान का अपमान करने पर 3 साल तक की जेल की सजा और जुर्माना हो सकता है ।सरकार ने इसी अधिनियम की धारा 3 में संशोधन किया है। वह राष्ट्रगीत वंदेमातरम को राष्ट्रगान के बराबर का दर्जा दिलाना चाहती है। यानी बिल का मकसद राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान 'जन गण मन' की तरह ही कानूनी सुरक्षा देना है ।बिल के प्रावधानों के अनुसार अब वंदेमातरम् गाने में रुकावट डालने, किसी भी तरह से उसका अपमान करने वाले काम को दंडनीय बनाया जाएगा ।कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, यह सरकार जनता के मुद्दों के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील है। NEET और CBSE परीक्षा पेपर लीक से देशभर के परिवारों में दर्द और चिंता है। माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर परेशान हैं। हमारी मांग है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें और NEET व CBSE परीक्षा प्रणाली, पेपर लीक रोकने के उपाय तथा परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बहाल करने पर संसद में विस्तृत चर्चा हो। इस पूरे मामले में धर्मेंद्र प्रधान जिम्मेदार हैं, लेकिन सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है।

मोदी का राहुल पर तंज, मैं 56 के नौजवान की बात नहीं कर रहा

पीएम मोदी ने संसद भवन के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए राहुल गांधी पर तंज कसा। मोदी ने कहा- भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में नई उड़ान भरी है। ये जो स्काईरूट स्टार्टअप है, उसमें जो युवा काम कर हे हैं, उनकी एवरेज उम्र 28 साल है। मैं किसी 56 साल के नौजवान की बात नहीं कर रहा।

लोकसभा अध्यक्ष भी हमें इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति नहीं दे रहे हैं।

देश के 70% हिस्से में बादल छाए 25 जुलाई तक बारिश का अलर्ट

यूपी में 40 मंदिर डूबे; राजस्थान में तापमान 41डिग्री पार

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर,एजेंसी। इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों के मुताबिक देश के करीब 70% हिस्से में मानसूनी बादल छाए हुए हैं। अगले 25 जुलाई तक उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत समेत देश के 60% से ज्यादा हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। इस मानसून सीजन में देशभर में बारिश सामान्य से 24% कम हुई है।

इधर, यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी और प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है।वहीं, राजस्थान में मानसून पर ब्रेक लगने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है। बीकानेर संभाग के तीन जिलों में

रविवार को तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। राज्यभर में कहीं भी तेज बारिश नहीं हुई।मौसम विभाग ने सोमवार के लिए राज्य के 24 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है, जो अगले तीन दिनों तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान तेज हवाओं के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में सलाल बांध के सभी गेट खोले गए

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के बाद सलाल बांध के सभी गेट खोल दिए गए हैं। इसके चलते चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों के पास न जाने की अपील की है।

जम्मू-कश्मीर में फ्लैश फ्लड से भारी तबाही, कई मशीनें बहीं

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में तेज बारिश के बाद अचानक आई फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचा दी। साज इलाके में सड़क निर्माण कंपनी का क्रशर और हॉट मिक्स प्लांट बाढ़ की चपेट में आ गया।

ईरान बोलाः अमेरिकी सैनिकों का इंतजार कर रहे हैं

खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की, तो कोई जिंदा बचकर नहीं जाएगा

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने खार्ग आइलैंड पर कब्जे की कोशिश की तो उसके सैनिक जिंदा वापस नहीं लौट पाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की खार्ग आइलैंड पर कब्जे से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा,

ईरान में ऐसे लोग हैं जो अमेरिकी सैनिकों के आने का इंतजार कर रहे हैं। खार्ग आइलैंड और उसके आसपास सामना करने के लिए पूरी तैयारी है। खार्ग आइलैंड फारस की खाड़ी में

बुशहर प्रांत के तट से करीब 55 किलोमीटर दूर स्थित है। यह ईरान के तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र है और रणनीतिक रूप से देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिसंपत्तियों में गिना जाता है।

ईरान बोला- समझौता तोड़ने का अमेरिका के पास कोई बहाना नहीं

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) में किसी तरह की कोई अस्पष्टता नहीं है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने किया एलान

बंगाल में एक सितंबर से बंगाली भाषा में होगा सारा सरकारी कामकाज,

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को राज्य विधानसभा में एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल सरकार एक सितंबर से अपने सभी आधिकारिक कामकाज बंगाली भाषा में करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सितंबर 2026 से राज्य सरकार के हर स्तर पर बंगाली भाषा का उपयोग अनिवार्य होगा।

केंद्र और अन्य राज्यों से बंगाली में होगा संपर्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ होने वाले सभी पत्राचार में बंगाली भाषा का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के साथ संपर्क के लिए बंगाली के साथ-साथ हिंदी भाषा का भी उपयोग किया जाएगा।

टिन्नू ने चंपत राय और अनिल मिश्रा को लेकर किए चौंकाने वाले खुलासे, लंबे समय से चल रही थी चोरी

अयोध्या, एजेंसी। राममंदिर दान चोरी मामले में 39 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड के दौरान रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव ने पूर्व महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, गोपाल राव और कई अन्य लोगों के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस अब टिन्नू के दावों को सत्यापित करने में जुटी है। अगर यह सच निकलते हैं तो नए लोगों को आरोपी बनाया जा सकता है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों ने सुनियोजित और संगठित गिरोह की तरह दान चोरी मामले के संचालित होने की पुष्टि की है।

लंबे समय से चल रही थी चोरी: जांच में सामने आई जानकारी के अनुसार चोरी की यह वारदात काफी लम्बे समय से चल रही थी। पूछताछ में सामने आई जानकारी के अनुसार रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू चोरी की रकम का बंटवारा अपने प्रभाव के आधार पर कराता था। वह यह कहकर सबसे बड़ा हिस्सा लेता था कि उसे ऊपर तक कई लोगों को रकम पहुंचानी पड़ती है। बाकी आरोपी भी उसके प्रभाव और पहुंच के चलते उसकी बात मानने को मजबूर रहते थे।

बंटवारे में शक पर भतीजे की

नियुक्ति कराई: समय बीतने के साथ टिन्नू को शक होने लगा कि गणना कक्ष में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी दानपात्रों से अपेक्षा से अधिक रकम निकाल रहे हैं, लेकिन उसे कम रकम की जानकारी दे रहे हैं। उसे लगने लगा कि उसके हिस्से में लगातार कमी आ रही है। इसके बाद टिन्नू ने अपने भतीजे मनीष यादव को राममंदिर में गणना कर्मचारी के रूप में तैनात कराया। मनीष की जिम्मेदारी सिर्फ गणना तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह चोरी से प्राप्त धनराशि का पूरा हिसाब-किताब रखने लगा। कौन कितना पैसा निकाल रहा है, किसे कितना हिस्सा मिलना है और किस दिन कितनी रकम बाहर निकली, इन सभी बातों पर उसकी नजर रहती थी। इसके बाद चोरी की पूरी व्यवस्था पहले से अधिक संगठित ढंग से संचालित होने लगी।

तय भूमिकाओं के अनुसार काम कर रहा था पूरा गिरोह: पूछताछ में यह भी सामने आया है कि पूरा गिरोह तय भूमिकाओं के साथ काम करता था।

टिन्नू ने खुद को निर्दोष बताया फिर टूट गया

सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान शुरू में टिन्नू ने खुद को बचाने का प्रयास किया और चोरी का मुख्य किरदार अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला को बताने की कोशिश की। मगर अन्य आरोपियों के बयानों, मोबाइल चैट और कॉल डिटेल के आधार पर कड़ाई से पूछताछ हुई तो वह टूट गया और अपनी भूमिका को लेकर कई अहम जानकारियां उगल दीं। रिमांड के दौरान पुलिस ने टिन्नू से दानपात्रों से निकलने वाले आभूषणों, सुरक्षाकर्मियों को मैनेज करने के तरीके, सीसीटीवी फुटेज देखने और डिलीट करने के आरोपों, हुंडियों की चाबियां रखने और बाकी आरोपियों के दिए बयानों के संबंध में भी पूछताछ की।

● चंपत, अनिल और गोपाल को लेकर किए कई खुलासे

39 घंटे की कस्टडी रिमांड के दौरान टिन्नू ने चंपत राय, गोपालराव और अनिल मिश्र के काम करने के तरीके, विभिन्न मामलों में उनकी भूमिका पर अहम खुलासे किए। पूछताछ की शुरुआत में टिन्नू हर सवाल पर गोलमोल जवाब देता रहा। वह कभी बात बदल देता तो कभी एक ही सवाल का अलग-अलग समय पर अलग उत्तर देता। पुलिस अधिकारियों ने उसकी रणनीति भांप ली। इसके बाद घंटों तक उसी विषय पर अलग-अलग अंदाज में सवाल पूछे गए। जब उसके बयानों का मिलान किया गया तो कई विरोधाभास मिले। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने टिन्नू को उसके ही बदलते बयान सामने रखे तो वह दबाव में आ गया। इसके बाद उसने मंदिर की कार्यप्रणाली और तीनों से जुड़े कुछ ऐसे तथ्य बताए, जो सत्य होने पर काफी चौंकाने वाले साबित हो सकते हैं। पुलिस अब उससे मिली सभी जानकारियों का सत्यापन कराएगी। सत्यापन में पुष्टि होती है तो यह कई नए और बड़े चेहरों के मुकदमे में आरोपी बनने का संकेत हो सकती है।

● रिमांड के दौरान टिन्नू से कार और बाइक बरामद

कस्टडी रिमांड के दौरान पुलिस ने रामशंकर यादव टिन्नू के पास से एक चार पहिया और दो पहिया वाहन बरामद किया है। चढ़ावा चोरी की रकम से इसको खरीदे जाने की जानकारी मिली है। पुलिस ने चोरी की रकम को लेकर कई सवाल उससे पूछे। इसमें कई नए तथ्य मिले हैं। आने वाले दिनों में कई अन्य जगहों पर पुलिस द्वारा छापेमारी की सम्भावनाएं है। चढ़ावा चोरी के सभी आरोपियों में सबसे ज्यादा शातिर टिन्नू बताया जा रहा है। मामले का खुलासा होने के बाद आरोप लगने पर भी टिन्नू ने पत्रकारों के सामने आकर सफाई पेश की थी। इससे वह अपने ऊपर लगे आरोपों को लगातार नकारता रहा था।

पेट्रोलिंग के दौरान कांस्टेबल ने किया युवती का यौन उत्पीड़न, गिरफ्तार

कोयंबटूर , एजेंसी। कोयंबटूर जिले में एक पुलिसकर्मी को गिरफ्तार किया गया है, उस पर पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान एक युवती का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगा है. इस घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस कांस्टेबल को पद का दुरुपयोग करने के आरोप में निलंबित कर दिया. मामला थुडियालुर थाना क्षेत्र का है. बताया गया है कि कांस्टेबल विनोद कुमार (35) 15 जुलाई की शाम को वेल्लाकिनारू हाउसिंग बोर्ड इलाके में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे. उस समय, एक युवती अपने बॉयफ्रेंड से बात कर रही थी. आरोप है कि कांस्टेबल विनोद कुमार ने उनसे पूछताछ की और यह कहकर कि वह युवती से अलग से पूछताछ करना चाहता है, उसे दूसरी तरफ ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया. युवती के चिल्लाने पर पुलिसकर्मी वहां से चला गया. बाद में पीड़िता ने थुडियालुर थाने में शिकायत दर्ज कराई. इसके बाद, पुलिस ने कांस्टेबल विनोद कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की. इस बात की पुष्टि होने के बाद कि उसने युवती का यौन उत्पीड़न किया था, पुलिस ने विनोद कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसे गिरफ्तार कर लिया. इस घटना के बारे में नाम तमिलर काची पार्टी के नेता और सोशल एक्टिविस्ट वकील विजयराघवन ने कहा, 'हाल के दिनों में तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के केस बढ़े हैं. खासकर, पिछले महीने बढ़ी यौन उत्पीड़न की शिकायतों की पुलिस सही तरीके से जांच नहीं कर रही है. इस मामले में, यह चौंकाने वाली बात है कि एक पुलिस कांस्टेबल एक महिला के पास गया जो अपने पुरुष मित्र से बात कर रही थी और उसका यौन उत्पीड़न किया. ' उन्होंने कहा कि यह बहुत चौंकाने वाली घटना है. पुलिस अधिकारियों को इस मामले की सही जांच करनी चाहिए. जिन पुलिस अधिकारियों पर काम का अधिक बोझ है, उनके लिए तनाव कम करने वाली क्लास होनी चाहिए.' तमिलनाडु सरकार ने राज्य में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने के लिए सिंगप्पेन स्पेशल फोर्स बनाई है. इसी तरह, 'कावल उथावी' नाम का एक एंड्रॉयड मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है. गौरतलब है कि पुलिस इस ऐप के बारे में स्कूल और कॉलेज के स्टूडेंट्स को लगातार जागरूक कर रही है।

बांके बिहारी मंदिर में चांदी के घोड़े चोरी का दावा, सेवायतों ने आरोपों को किया खारिज

मथुरा , एजेंसी। मथुरा के विश्व प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर एक बार फिर विवादों में आ गया है। मंदिर की हाई पावर कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी ने आरोप लगाया है कि मंदिर से बड़े-बड़े चांदी के घोड़े चोरी हो गए हैं। उन्होंने इसे अत्यंत गंभीर मामला बताते हुए इसकी निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं से भी जुड़ा विषय: दिनेश गोस्वामी का कहना है कि मंदिर से बहुमूल्य चांदी के घोड़ों का गायब होना केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले मंदिर की देहरी पूजन की परंपरा को तोड़ा गया और अब चार नए सेवायतों की नियुक्ति भी परंपराओं में बदलाव के उद्देश्य से की गई है। उनके अनुसार यह घटनाक्रम श्रद्धालुओं की आस्था को प्रभावित करने वाला है।

अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण से भी अधिक गंभीर मामला: गोस्वामी ने यह भी आरोप लगाया कि मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है तथा अब तक दोषियों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बांके बिहारी मंदिर से हुई कथित चोरी, अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण से भी अधिक गंभीर है। उनका कहना है कि पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए, ताकि वास्तविक तथ्य सामने आएं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई हो सके।

इस प्रकरण का निष्पक्ष खुलासा आवश्यक: उन्होंने मंदिर प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की कि कथित चोरी की विस्तृत जांच कर श्रद्धालुओं को पूरे मामले की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाए। उनका कहना है कि मंदिर की गरिमा, परंपराओं और श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए इस प्रकरण का निष्पक्ष खुलासा आवश्यक है।

इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई: हालांकि, दिनेश गोस्वामी द्वारा लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। समाचार लिखे जाने तक मंदिर प्रशासन या संबंधित अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। कोई बांके बिहारी मंदिर की सेवायत ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामीने कहा है कि मंदिर सेवायतों की तरफ से कोई परंपरा नहीं टूटी है, और ना मंदिर से घोड़ा चोरी हुई है रेलिंग की बजह से रथ नही सजाया जा रहा और यह रथ कोई चलने वाला रथ नही है, प्रतिबिम्ब रथ है और यह रथ बाँके बिहारी ज़ी मंदिर का नही है, मंदिर सेवायत के यजमानों द्वारा निजी ट्रस्ट के लिए दान दिया था।

दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में दिनदहाड़े डकैती, 7-8 बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर 9 लाख की नकदी-जेवरात लूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में रविवार दोपहर एक घर में दिनदहाड़े डकैती की वारदात सामने आई। 7 से 8 बदमाश घर में घुस गए और परिवार के सदस्यों को काबू कर करीब 9 लाख रुपये की नकदी और आभूषण लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 3:22 बजे थाना न्यू उस्मानपुर में घर में डकैती की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गली नंबर-2, न्यू उस्मानपुर निवासी शिकायतकर्ता हरीश चंदर से पूछताछ की।

घर पर नहीं थे शिकायतकर्ता: प्रारंभिक जांच में पता चला कि वारदात के समय शिकायतकर्ता घर पर मौजूद नहीं थे। दोपहर करीब 1:18 बजे एक व्यक्ति किसी काम के बहाने उनके घर पहुंचा। कुछ ही देर बाद उसके साथ 7-8 अज्ञात बदमाश घर में घुस आए। आरोपितों ने परिवार के सदस्यों को काबू में लेकर करीब 9 लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए तथा मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मामले की जांच जारी है।

नये नियमों ने डीएपी, यूरिया वितरण में फंसाया पेंच, बटाईदार और रेहन वालों को मुश्किल

बरियारपुर(देवरिया, एजेंसी। खरीफ सीजन में धान की फसल में डालने को किसानों को डीएपी और यूरिया खाद लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छोटे किसान, बटाईदार और रेहन पर खेत लेकर खेती करने वाले किसानों को समितियों से खाद मिलना मुश्किल हो गया है। मजबूरी में उन्हें बाजार से अधिक कीमत पर खाद खरीदना पड़ रहा है। सरौरा निवासी किसान जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि उन्होंने खेती के लिए कुछ जमीन रेहन पर ली है, लेकिन सरकारी नियमों के तहत .उन्हें खेत में डालने को डीएपी और यूरिया नहीं मिल पा रही है। खेती का पूरा खर्च वहन करने के बावजूद खाद प्राप्त करना मुश्किल हो गया है। बरेठा निवासी विनय मिश्रा ने बताया कि नए नियमों के कारण खाद लेने की प्रक्रिया जटिल हो गई है। करौदी निवासी द्वारिका यादव ने भी खाद वितरण व्यवस्था में आ रही दिक्कतों की शिकायत करते हुए कहा कि छोटे किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गांवों में बड़ी संख्या में किसान बटाई व रेहन की जमीन पर खेती करते हैं। ऐसे किसानों के नाम जमीन दर्ज नहीं होने के कारण उन्हें खाद नहीं मिल रहा है। इससे खरीफ की बुवाई प्रभावित होने लगी है।

अचानक हॉस्टल पहुंचे थलपति विजय से शिकायत करने लगे स्टूडेंट्स

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने चेन्नई के एक हॉस्टल में अचानक दौरा किया, जिससे हड़कंप मच गया। इस दौरान, उनसे कई शिकायतें की जाने लगीं, जैसे स्टूडेंट्स के खाने में कीड़े मिलना, वॉर्डन के बुरे बर्ताव और कैंपस की सुरक्षा में चूक आदि। थलपति विजय के साथ सोशल जस्टिस मिनिस्टर वन्नी अरासु भी मौजूद थे। ऐक्शन लेते हुए सीएम विजय ने इन दिक्कतों को दूर करने का निर्देश दिया। सैदापेट में एमसी राजा सोशल जस्टिस हॉस्टल पहुंचे सीएम विजय से ये शिकायतें वहां रहने वाले स्टूडेंट्स ने कीं। विजय ने उनसे

बातचीत की और उनकी समस्याओं को जाना। यह 10 मंजिला हॉस्टल डीएमके की सरकार के दौरान 44.5 करोड़ रुपये की कीमत में बना था। इंडिया टुडे के अनुसार, स्टूडेंट्स ने हॉस्टल के खाने की शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि खाने में अक्सर कीड़े और बग्स मिलते हैं। दावा किया कि किचन स्टाफ बिना ग्लव्स या हेयर कैप पहने खाना बनाता है।

देर से लौटने पर गेट नहीं खोलता वॉर्डन

स्टूडेंट्स का कहना था कि यूपीएससी समेत तमाम एग्जाम की पढ़ाई के लिए कई बार देर हो जाती है। ऐसे में जब वे बाहर से देर रात आते हैं, तो वॉर्डन हॉस्टल में घुसने नहीं देते। ऐसे में वे पार्क में रात बिताते हैं। इससे उनकी पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है। वहीं, स्टूडेंट्स की शिकायतों को सुनने के बाद सीएम विजय ने उन्हें भरोसा दिया कि इन दिक्कतों को दूर कर दिया जाएगा। अधिकारियों को इसको लेकर कड़े आदेश दिए गए।

विजय सरकार गिराने मामले में दो और अरेस्ट : वहीं, तमिलनाडु में सी जोसेफ विजय सरकार को गिराने के प्रयास में विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए जाने वाले प्रस्ताव के विरोध में मतदान के लिए सत्ताधारी टीवीके के एक विधायक को 35 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश कर पाला बदलवाने से जुड़े मामले में फाइनेंस कंपनी के दो मालिकों को गिरफ्तार किया गया है और शहर में उनके दफ्तर से 2.82 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि टीवीके के ऊथनगराई से विधायक डॉ. एन एलयाराजा की ओर से दर्ज करायी गयी शिकायत के आधार पर ट्रिप्लिकेन पुलिस ने मामला दर्ज कर अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

हिटलर की जन्मस्थली पर पुलिस स्टेशन खोलने का फैसला, जर्मन तानाशाह के प्रशंसक बना रहे थे जगह को तीर्थस्थल

वियना, एजेंसी। ऑस्ट्रिया सरकार उस इमारत में पुलिस स्टेशन खोलने जा रही है जहां 1889 में जर्मन तानाशाह एडॉल्फ हिटलर का जन्म हुआ था। इसका उद्देश्य दशकों से चली आ रही इस बहस को खत्म करना है कि इस जगह को दूर-दराज चरमपंथियों के लिए तीर्थस्थल बनने से कैसे रोका जाए। जर्मनी की सीमा पर साल्जबर्ग के उत्तर में ब्रौनौ एम इन शहर में स्थित साल्जबर्गर वोरस्टेड 15 नाम की यह 17वीं शताब्दी की इमारत अब सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत की जा चुकी है।

इस इमारत के नवीनीकरण पर करीब 20 मिलियन यूरो खर्च किए गए हैं। ऑस्ट्रिया के आंतरिक मंत्री गेरहार्ड कार्नर बुधवार को नए पुलिस स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। ऑस्ट्रिया सरकार ने इस इमारत के भविष्य को लेकर गठित 13 विशेषज्ञों के आयोग की सिफारित पर यह फैसला लिया है। आयोग ने 2016 में अपनी रिपोर्ट में कहा था यहां संग्रहालय बनाने का प्रस्ताव खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि इसे आगुंतकों द्वारा गलत तरीके से पेश किए जाने का खतरा है।

वहीं इस इमारत को ध्वस्त करने की योजना भी नहीं बन सकी क्योंकि यह शहर के ऐतिहासिक केंद्र का हिस्सा है और विरासत संरक्षण के तहत आती है। आयोग को डर था कि ध्वस्तीकरण को साइट को इतिहास को नकारने के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है। आयोग के अनुसार पुलिस स्टेशन के रूप में इस इमारत का इस्तेमाल करने से प्रतिबंधित सार्वजनिक पहुंच और राज्य प्राधिकरण की मौजूदगी सुनिश्चित होगी। साथ ही एक सरकारी संस्थान होने के कारण यहां स्थिरता और सार्वजनिक भरोसा भी बना रहेगा। हालांकि इस फैसले पर सवाल भी उठे हैं। इस इमारत के भविष्य पर चर्चा कराने वाले एक समूह द्वारा 2023 में कराए गए सर्वेक्षण में 1 हजार लोगों में से सिर्फ 6 प्रतिशत ने ही प्रशासनिक उपयोग का समर्थन किया।

मुश्किल में इमरान खान की बहन, पाकिस्तान सरकार ने विवादित बयान मामले में भेजा समन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एंटी-साइबरक्राइम एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नूरीन नियाजी को समन भेजा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने देश की सरकारी संस्थानों को बदमान करने और झूठी बातें फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर गलत, अपमानजनक और भड़काऊ कंटेंट शेयर किया।

यह समन नियाजी के एक इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है।

नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने समन भेजकर इस्लामाबाद स्थित एजेंसी कार्यालय में पेश होकर बयान दर्ज कराने को कहा है। यह समन उनके इंटरव्यू के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भेजा गया है। इस इंटरव्यू में नियाजी ने दावा किया था कि मई 2025 में हुए

सैन्य टकराव को सैन्य नेतृत्व की छवि बेहतर बनाने के उद्देश्य से रचा गया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटनाक्रम एक सुनियोजित मिलीभगत का नतीजा था। नियाजी ने इंटरव्यू में चार दिन तक चले सैन्य टकराव के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना की कार्रवाई को कमतर दिखाने की कोशिश करने की बात कही। उन्होंने बिना किसी सबूत के दावा किया कि भारत ने टकराव को और बढ़ाने से इसलिए परहेज किया क्योंकि पाकिस्तान इज़राइल को मान्यता देने की दिशा में आगे बढ़ रहा था।इस घटना का मकसद इस्लामाबाद के लिए अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होने का रास्ता आसान बनाना था। पाकिस्तान उन कई देशों में शामिल है जो इजरायल को एक देश के तौर पर मान्यता नहीं देते हैं । और इजराइल के साथ जिनके कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं। नियाजी की टिप्पणियों पर पंजाब की सूचना और संस्कृति मंत्री अजमा बुखारी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पेरू में कुदरत का कहर: एंडीज इलाके में जोरदार भूकंप से मची तबाही, 5 की मौत कई घर मलबे में तब्दील

लीमा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में शनिवार रात आए जोरदार भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। रिक्टर स्केल पर 5.5 की तीव्रता वाले इस भूकंप के कारण कम से कम पांच लोगों की जान चली गई है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा ने 300 से अधिक लोगों को उनके घर से बेघर कर दिया है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है और मलबे में दबे लोगों की तलाश की जा रही है।

पुरानी इमारतों को भारी नुकसान

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार रात 9:24 बजे आया। इसका केंद्र हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग 2 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में स्थित था।

जमीन से इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर दर्ज की गई, जिसके कारण झटके काफी विनाशकारी महसूस किए गए। कम गहराई पर केंद्र होने की वजह से सतह पर इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा है। भूकंप के कारण सिकाया और आसपास के क्षेत्रों में कई घर मलबे में तब्दील हो गए। पेरू के नेशनल सिविल

डिफेंस इंस्टीट्यूट ने बताया कि ढहने वाली इमारतों में स्थानीय चर्च और कॉन्वेंट भी शामिल हैं। सिविल डिफेंस प्रमुख लुइस वास्केज के अनुसार, एंडीज क्षेत्र में घरों के निर्माण के लिए 'एडोब' (कच्ची मिट्टी या मिट्टी की ईंटों) का व्यापक उपयोग किया जाता है। यही कारण है कि झटके लगते ही मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जिससे जान-माल का नुकसान बढ़ गया।

खुले आसमान के नीचे रात बिताने को मजबूर लोग: स्थानीय मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में विनाश का मंजर साफ देखा जा सकता है। चोंगो बाजो जैसे प्रभावित इलाकों में लोग कड़ाके की ठंड के बीच अपने टूटे हुए घरों के बाहर कंबल ओढ़कर बैठने को मजबूर हैं। एक स्थानीय महिला, हर्मेनेगिल्डा गुआमालाटो ने अपना दुख शेयर करते हुए बताया कि उनका घर पूरी तरह नष्ट हो चुका है और अब वह अपने तीन बच्चों के साथ पड़ोसी प्रांत में ठिकाने की तलाश में हैं। मलबे के नीचे कई पालतू जानवरों के दबे होने की भी खबरें सामने आई हैं।

प्रशांत महासागर का 'रिंग ऑफ फायर: पेरू भौगोलिक दृष्टि से प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की सक्रियता के कारण भूकंप का खतरा हमेशा बना रहता है। इससे पहले साल 2007 में पेरू के पिस्को प्रांत में 7.9 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था, जिसमें लगभग 600 लोगों की मौत हुई थी। वर्तमान में, अधिकारी लापता लोगों की सटीक संख्या का पता लगाने में जुटे हैं और प्रभावित परिवारों को आपातकालीन सहायता पहुंचाई जा रही है।

नेपाल में फिर कांपी धरती; 5.0 तीव्रता के भूकंप से दहशत, कई जिलों में महसूस हुए झटके

काठमांडु, एजेंसी। नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्वी रुकुम जिले में रविवार शाम 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। हालांकि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:30 बजे आया। इसका केंद्र पूर्वी रुकुम जिले के कोल क्षेत्र में था, जो राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।भूकंप के झटके केवल पूर्वी रुकुम तक सीमित नहीं रहे। रोल्पा, बागलुंग और म्याग्दी जिलों के लोगों ने भी कंपन महसूस होने की जानकारी दी। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। एनईएमआरसी के वरिष्ठ भूकंप विज्ञानी लोक विजय अधिकारी ने बताया कि अब तक भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। नेपाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, जहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार नेपाल दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में शामिल है। इसी वजह से यहां हर वर्ष छोटे-बड़े कई भूकंप दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2015 में आए विनाशकारी 7.8 तीव्रता के भूकंप में करीब 9,000 लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग प्रभावित हुए थे। इसके बाद से नेपाल में भूकंप निगरानी और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

जर्जर दीवार ढही, दो की मौत, दो गंभीर

सीधी के रामपुर नैकिन न्यायालय परिसर में दर्दनाक हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन न्यायालय परिसर में सोमवार शाम तेज बारिश के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। न्यायालय परिसर में स्थित एक पुराने भवन की जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद न्यायालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब चार बजे रामपुर नैकिन क्षेत्र में अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए न्यायालय परिसर में मौजूद कुछ लोग एक पुराने भवन की दीवार के सहारे खड़े हो गए। इसी दौरान भवन की जर्जर दीवार अचानक ढह गई और वहां खड़े चार लोग मलबे के नीचे दब गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि लोगों को संभलने का मौका भी नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी सहित पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया। स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया। बचाव दल ने राहत कार्य देर शाम तक जारी रखा क्योंकि मलबे में अन्य लोगों के दबे होने की भी आशंका जताई जा रही थी। प्रशासन ने पूरे परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।हादसे में न्यायालय में काम से आए सुखसेन केवट की मलबे में दबने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पुत्र राजेश केवट गंभीर रूप से घायल हो गए। राजेश को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। पिता-पुत्र के साथ हुए इस हादसे से परिवार में शोक का माहौल है। दूसरी ओर हादसे में दो सगे भाई भी दीवार गिरने की चपेट में आ गए। छोटे भाई रामसजीवन साहू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बड़े भाई साझाही साहू गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका अस्पताल में इलाज जारी है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। प्रशासन की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि लगातार हो रही बारिश के कारण भवन की पहले से जर्जर दीवार कमजोर हो चुकी थी। तेज बारिश के दौरान दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे यह हादसा हुआ। अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और न्यायालय परिसर के अन्य पुराने भवनों की भी सुरक्षा जांच कराने के निर्देश दिए हैं ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रशासन ने घायलों के समुचित इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी से बाघ संरक्षण को मिलेगा नया बल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस-2026 के अवसर पर संजय टाइगर रिजर्व सीधी में बाघ संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा को लेकर विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रमों की शुरुआत सोमवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में आधुनिक वन्यजीव प्रबंधन उपकरणों की प्रदर्शनी के शुभारंभ के साथ हुई कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान और संजय टाइगर रिजर्व के उप संचालक राजेश कन्ना टी. ने किया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर वन विभाग द्वारा वन्यजीव संरक्षण और निगरानी में उपयोग की जा रही आधुनिक तकनीकों की जानकारी ली प्रदर्शनी में थर्मल एवं सामान्य ड्रोन, कैमरा ट्रैप, वन्यजीव रेस्क्यू उपकरण, वायरलेस संचार प्रणाली, एम-स्ट्राइप प्रणाली और फील्ड सर्वे उपकरण प्रदर्शित किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन आधुनिक तकनीकों की मदद से वन्यजीवों की निगरानी, संरक्षण, रेस्क्यू और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण अधिक प्रभावी तरीके से किया जा रहा है जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह ने कहा कि बाघ और अन्य वन्यजीवों का संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

मुड़िका के जंगल में पेड़ से लटका मिला नवविवाहिता का शव, हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मुड़िका गांव में सोमवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 22 वर्षीय नवविवाहिता का शव गांव से लगे जंगल में पेड़ से फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही बहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और हत्या व आत्महत्या दोनों संभावनाओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान कृष्णा देवी साहू (22), पत्नी गोरेलाल साहू, निवासी मुड़िका के रूप में हुई है। उनका शव कुसियारी-मुड़िका मार्ग के किनारे जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल के आसपास झाड़ियों में महिला की एक चप्पल भी मिली है, जिसे साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्र की भी बारीकी से जांच कर रही है। मृतका के पति गोरेलाल साहू ने पुलिस को बताया कि रविवार रात उनकी पत्नी घर पर ही थी। सोमवार सुबह वह कब घर से निकली, इसकी जानकारी उन्हें नहीं हो सकी। दोपहर करीब 12 बजे ग्रामीणों ने उन्हें जंगल में एक महिला का शव पेड़ से लटका होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने शव की पहचान अपनी पत्नी के रूप में की और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पति ने बताया कि दोनों का विवाह करीब दो वर्ष पहले हुआ था तथा उनके बीच किसी प्रकार का पारिवारिक विवाद या मनमुटाव नहीं था। बहरी थाना पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और परिजनों व ग्रामीणों के बयान के आधार पर घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तेलदह में टैंकर की टक्कर से बाइक सवार घायल, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बरगवां थाना क्षेत्र के तेलदह गांव में सोमवार शाम करीब 6:30 बजे हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक घायल हो गया। टैंकर की टक्कर लगने से युवक सड़क पर गिर पड़ा जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बिना देर किए घायल को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार युवक की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार किसी कारणवश टैंकर की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने तत्काल यातायात को व्यवस्थित करने का प्रयास किया और एंबुलेंस की मदद से घायल को अस्पताल भिजवाया। घटना के दौरान मौजूद कुछ लोगों का कहना है कि घायल युवक कथित रूप से नशे की हालत में था। हालांकि पुलिस ने इस संबंध में किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। हादसे की सूचना मिलते ही बरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा दुर्घटना से जुड़े आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। टैंकर चालक और अन्य संबंधित पक्षों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि दुर्घटना के कारणों का सही पता लगाया जा सके। बरगवां थाना प्रभारी अनिल पटेल ने बताया कि तेलदह में टैंकर और बाइक की टक्कर की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घायल युवक को प्राथमिकता के आधार पर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर नियंत्रण लगाने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने तथा सड़क सुरक्षा संबंधी प्रभावी उपाय लागू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार बढ़ते भारी वाहनों के आवागमन के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। उनका मानना है कि समय रहते ठोस कदम उठाए गए तो भविष्य में ऐसे हादसों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है।

शिक्षा में पारदर्शिता और सोनम वांगचुक के समर्थन में रीवा के युवाओं का मौन प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य फाउंडेशन एवं रीवा यूथ विंग्स के तत्वावधान में रविवार शाम शहर के प्रमुख स्थल शिल्पी प्लाज़ा में शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, छात्रों के हितों की सुरक्षा तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के समर्थन में एक शांतिपूर्ण मौन प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जागरूक नागरिकों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया। इस मौन प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को मजबूती से उठाना था। इसके साथ ही प्रतिभागियों ने शिक्षा, पर्यावरण और जनहित के मुद्दों पर लगातार आवाज़ उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने हाथों में विभिन्न संदेशों से युक्त तख्तियां लेकर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। कार्यक्रम पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रदर्शन में शामिल युवाओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। यदि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो तो विद्यार्थियों का भविष्य अधिक सुरक्षित और सशक्त बन सकता है। उन्होंने कहा कि छात्रों से जुड़े मुद्दों पर समय-समय पर सकारात्मक संवाद और आवश्यक सुधार किए जाने चाहिए, ताकि युवाओं को बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें और शिक्षा प्रणाली पर उनका विश्वास और मजबूत हो। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से रखने का अधिकार प्राप्त है। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी किसी भी सामाजिक परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होती है। यदि युवा जागरूक होकर सामाजिक, शैक्षणिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मौन प्रदर्शन का उद्देश्य किसी प्रकार का विरोध या टकराव नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जिम्मेदार नागरिक होने का संदेश देना है। आयोजकों ने रीवा शहर के युवाओं से अपील की कि वे शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर जागरूक रहें तथा लोकतांत्रिक और संवैधानिक माध्यमों से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समाज के विकास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और ऐसे कार्यक्रम युवाओं को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग बनाने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और छात्र हितैषी बनाने का संकल्प लिया। साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर भविष्य में भी शांतिपूर्ण और रचनात्मक तरीके से अपनी आवाज़ उठाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा समाजसेवी मो. शाहिद अंसारी, शहनवाज अंसारी (लाला), हर्ष मालवीय, मोबीन हसन, आनंद पटेल, विनय तिवारी, शहजादे अंसारी (भय्यू), विकास प्यासी, अरमान खान, अशरफ अंसारी, दीपु गुप्ता, अदनान, आबिद अंसारी, सौरभ सिंह, सोहेल रजा, एडवोकेट दिलीप सिंह भारती, एडवोकेट मधुकर राय सूर्यवंशी, उमेश चौधरी, रजनीश कुमार साकेत, नयाब खान, नावेद, गोल्डी सहित बड़ी संख्या में युवा साथी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्राथमिकता वाले कार्यों को समय-सीमा में पूरा करें अधिकारी : कलेक्टर विकास मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की प्रगति और आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर सोमवार को आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों को स्पष्ट लक्ष्य सौंपते हुए समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी बैठक में कलेक्टर ने आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय पर्व की गरिमा के अनुरूप पुलिस परेड ग्राउंड में जिला स्तरीय समारोह का भव्य, गरिमामय और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्व समय पर पूरे करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था, परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठक व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था और यातायात प्रबंधन सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर ताकि आयोजन में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विधानसभा प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय-सीमा में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि लंबित विधानसभा आश्वासनों को पोर्टल पर दर्ज कर उनकी प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए साथ ही ध्यानाकर्षण सूचनाओं के जवाब भी प्राथमिकता के आधार पर भेजे जाएं। उन्होंने जिले में बीएसएनएल टॉवर स्थापना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि संचार सुविधाओं के विस्तार का कार्य तेजी से आगे बढ़ सके कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। प्रत्येक विभाग अपनी प्राथमिकता वाली योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करे। बैठक में प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि योजना की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और समय-समय पर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाएं उन्होंने किसानों से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू करने और विभागीय स्तर पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। कलेक्टर विकास मिश्रा ने प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और गति लाने के लिए ई-प्रणाली के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन विभागों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था लागू है वहां कर्मचारियों की उपस्थिति केवल ई-अटेंडेंस के आधार पर ही मान्य होगी।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशीले पदार्थों पर रहेगी कड़ी नजर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय एन-कॉर्ड (हृष्टह्रक्रष्ठ) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की इस दौरान जिले में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए अब तक की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई और भविष्य की रणनीति तैयार की गई कलेक्टर विकास मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए।उन्होंने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा नशे के कारोबार से जुड़े लोगों और उनके पूरे नेटवर्क के खिलाफ लगातार और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि केवल प्रकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है बल्कि मादक पदार्थों की सप्लाई चेन और उससे जुड़े पूरे तंत्र को समाप्त करने के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा।

पुलिस, आबकारी और संबंधित विभाग मिलकर करेंगे कार्रवाई: बैठक में कलेक्टर ने पुलिस, आबकारी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को संयुक्त कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब, गांजा, नशीली दवाओं, सिंथेटिक ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, भंडारण और बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए और जहां भी अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले वहां तत्काल कार्रवाई की जाए।

स्कूल-कॉलेज और छात्रावासों के आसपास विशेष निगरानी: बैठक में कलेक्टर ने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे के कारोबार को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि स्कूल, महाविद्यालय, छात्रावास और कोचिंग संस्थानों के आसपास नियमित निरीक्षण और औचक जांच की जाए उन्होंने मेडिकल स्टोर्स की भी नियमित जांच करने और प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि शैक्षणिक परिसरों में नशामुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, अभिभावकों और सामाजिक संगठनों को मिलकर काम करना होगा।

अवैध खेती और तस्करी के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान: बैठक में जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में मादक पदार्थों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसमें गांजा की अवैध खेती, मादक पदार्थों की तस्करी और ई-सिगरेट सहित प्रतिबंधित उत्पादों की बिक्री पर विशेष नजर रखी जाएगी कलेक्टर ने शिकायत तंत्र को मजबूत बनाने और प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

नाम सुधार सूचना

मैं, रवि कुमार शुक्ला पिता/दिनेश कुमार शुक्ला निवासी अनंतपुर रीवा जनता कॉलेज रोड केदार विद्यालय के पीछे इंजीनियरिंग कॉलेज रीवा द्वारा यह घोषित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर रवि शुक्ला कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम रवि शुक्ला नाम से जाना व पहचाना जाएगा। मैंने इस संबंध में /वकील द्वारा शपथ पत्र (Affidavit) बनवाया है।

रवि शुक्ला

'अपोजिशन डे'

संपादकीय

भारत में ब्रिटेन की तरह 'अपोजिशन डे' जैसा कोई प्रावधान नहीं है जहां हफ्ते में एक दिन पूरी तरह विपक्ष द्वारा तय किए गए एजेंडे पर अनिवार्य चर्चा होती है...

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। परंतु पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है। क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुकी है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष (भत्ता न काटे जाने के) यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से संसद में बिना चर्चा के करोड़ों रुपए का नष्ट होना देश के विकास के साथ समझौता है। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 16वीं लोकसभा (2014-2019) की कार्य उत्पादकता लगभग 85 फीसदी रही। इसने कुल 1615 घंटे काम किया। इस कार्यकाल में 133 बिल पारित किए गए। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) जैसे ऐतिहासिक बिल इसी दौरान पास हुए। इस दौरान नोटबंदी, राफेल सौदा और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भारी गतिरोध रहा। 16वीं लोकसभा में 25 फीसदी बिलों को ही स्थायी समितियों के पास जांच के लिए भेजा गया जो 15वीं लोकसभा (71 फीसदी) की तुलना में बेहद कम था। 17वीं लोकसभा (2019-2024) ने अपने निर्धारित समय का लगभग 88 प्रतिशत काम किया जबकि राज्यसभा ने 73 फीसदी काम किया। इस कार्यकाल में कुल 274 बैठकें हुईं। कुल 179 विधेयक पेश किए गए और 222 बिल (पुराने और नए मिलाकर) पारित हुए। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम (2019), नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 और तीन नए आपराधिक कानून (भारतीय न्याय संहिता आदि) इसी दौरान पारित हुए।

नेहरू जैकेट किडनैप

रवि शर्मा

एक दिन अजायबघर का क्यूरेटर यह देख कर आश्चर्यचकित हो गया कि वहां अब तक स्वतंत्रता सेनानी माने गए, नेताओं के रखे कपड़े आपस में लड़ रहे हैं। कपड़े खादी थे, गांधी के चरखे से निकले थे। कभी इन्हीं कपड़ों को पहन कर नेताओं ने देश को आजादी दिलाई थी। दरअसल म्यूजियम आने वाले आधुनिक राष्ट्रभक्तों ने एक जैसे कपड़ों के बीच भी धर्म व जातियां खोज ली थीं। कपड़ों के बहाने कई धर्म क्यों अचानक बेचैन हुए, यह सोचते क्यूरेटर हैरान था, 'क्या संग्रहालय में भी कपड़ों का बंटवारा होगा, जो आज तक नहीं, वही होगा।' आश्चर्य यह कि दर्शक कपड़ों की लड़ाई पर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। उनके लिए आजादी से बड़ा धर्म हो रहा था। लड़ते-लड़ते कपड़े म्यूजियम से बाहर निकल आए थे। आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए थे। कपड़े जब लड़ते हैं, तो कई शरीर नंगे नजर आते हैं।

वैसे भारत में इतिहासकार भी जब लिखते हैं, तो कई अध्याय नंगे होकर सम्मानित नेताओं को अपमान सहित नंगा कर रहे हैं। व्हाट्सऐप के जरिए तो नंगा होने की प्रतियोगिता चल रही है। वहां भी लड़ाई में कपड़ों ने एक-दूसरे पर तरह-तरह के आरोप लगाए, हालांकि हर कपड़े के लिए किसानों ने एक जैसी कपास बोई थी, बल्कि सही दाम न मिलने पर किसान को धर्म-जाति तो नहीं मिली, अलबत्ता पेट के लिए आत्महत्या का प्रयास कई बार करना पड़ा था। कपड़ों को लड़ते देख किसान यह फैसला नहीं कर पा रहे थे कि आखिर इस बार भी कसूर उसका है या खेत में की गई मेहनत का। कपड़े भी लगभग एक जैसे थे, बस किसी के साथ पगड़ी, किसी के साथ टोपी, तो किसी के साथ धोती लटकी थी।

तमाशबीन लोग कपड़े देखकर अपनी जाति व धर्म मिला रहे थे। सभी को अपनी इज्जत झगड़ालू कपड़ों में दिखाई दी, तो आपस में एक-दूसरे के फाडने पर उतारू हो गए। कपड़े उतर चुके थे, यहां सभी लोग फटेहाल हो चुके थे। इसी बीच संग्रहालय के कर्मचारी वहां पहुंच गए, तो उन्होंने शहीद नेताओं का नाम ले लेकर कपड़ों को डांटा। किसी ने कहा, 'यह भगत सिंह का है।' दूसरे ने पहचाना, 'यह अशफाक उल्ला खान का है।' तीसरे ने कहा, 'यह चंद्रशेखर आजाद का कपड़ा है।' कपड़ों की लड़ाई के बहाने वहां मौजूद जनता को याद आ गया कि आजादी की लड़ाई में कपड़े कितने मासूम रहे हैं। संग्रहालय में किसी तरह समझा कर कपड़े वापस लाए गए। उन्हें करीने से लगाया जा रहा था कि किसी ने कहा, 'वो वहां नेहरू की जैकेट थी। यह तो कपड़ों की लड़ाई में शरीक भी नहीं थी, तो गई कहां।' सीसीटीवी कैमरे कपड़ों की लड़ाई से टूट चुके थे, फिर भी पता लगाया जा रहा था कि नेहरू की जैकेट उठाई किसने। वैसे नेहरू की जैकेट को आजकल देखना कौन चाहता, वहां सामने आज के नेताओं की अलग-अलग जैकेटों पर दर्शक मोहित थे।

किसी ने कहा, 'नेहरू की जैकेट चोरी नहीं, किडनैप हुई है।' संग्रहालय में हडक़ंप मचा था। यह नेहरू के अस्तित्व की अंतिम जैकेट थी, जिसके ऊपर किसी की बुरी नजर पड़ चुकी थी। पहले म्यूजियम में अकेले नेहरू की वस्तुएं थीं, तो ये खूब चीखती-चिल्लाती थीं। नाक पर मक्खी तक बैठने नहीं देती थीं, लेकिन अब वे दिन कहां। तभी एक आम आदमी वहां जैकेट पहने घूमता पाया गया। यह बहरूपिया था जिसे म्यूजियम वालों ने पकड़ लिया था। उसके शरीर के ऊपर नेहरू की जैकेट तड़प रही थी। डर यह था कि बहरूपिया नेहरू जैकेट का गूदड़ न निकाल दे या कहीं इसके शेष बचे टांके उखाड़ दे। नेहरू जैकेट अंदर तक पसीने से भीग कर गंध फैला रही थी। किडनैपर बहरूपिये पर संग्रहालय को रत्ती भर शक न हुआ। धीरे-धीरे नेहरू जैकेट पर चर्चा खत्म हो गई। अब मांग पर बहरूपिया अपनी बता कर जैकेट पहन कर आता और लोग तालियां बजाते। इस तरह जैकेट के बदले जैकेट का नया अवतार हो गया।

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व

स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है।संविधान निर्माताओं ने संसद को केवल कानून बनाने की संस्था नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संवाद,जनाकांक्षाओं की अभिव्यक्ति और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच के रूप में स्थापित किया।संसद की गरिमा केवल सत्ता पक्ष के बहुमत से नहीं,बल्कि एक सशक्त,जागरूक और उत्तरदायी विपक्ष से भी निर्मित होती है।लोकतंत्र का सौंदर्य इसी संतुलन में निहित है।सरकार जनादेश का प्रतिनिधित्व करती है,जबकि विपक्ष जनमत की निगरानी करता है।दोनों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका ही संसदीय लोकतंत्र को जीवंत बनाती है।इसी लोकतांत्रिक परंपरा को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रत्येक संसदीय सत्र से पूर्व केन्द्र सरकार सर्वदलीय बैठक आयोजित करती है।यद्यपि यह संविधान द्वारा अनिवार्य नहीं है, फिर भी दशकों से विकसित यह संसदीय परम्परा सरकार और विपक्ष के बीच संवाद का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम रही है।इस बैठक में आगामी सत्र की कार्ययोजना,विधायी प्राथमिकताओं,जनहित से जुड़े मुद्दों तथा सदन को व्यवस्थित और सुचारु रूप से चलाने पर विचार-विमर्श किया जाता है।

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

लोकतंत्र में संवाद की यह परम्परा ही राजनीतिक मतभेदों को संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर बनाए रखने का आधार बनती है।20 जुलाई से प्रारम्भ हुए संसद के मानसून सत्र की शुरुआत इस बार सहमति के वातावरण में नहीं,बल्कि तीखे राजनीतिक मतभेदों के साथ हुई है।सत्र से पूर्व आयोजित सर्वदलीय बैठक में आम आदमी पार्टी,तृणमूल कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन के कई दलों ने उन सांसदों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई,जिन्होंने अपनी मूल राजनीतिक पार्टी से अलग होने की घोषणा की है अथवा जिनकी स्थिति दल-बदल विरोधी कानून के अंतर्गत अभी लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष विचाराधीन है।विपक्ष ने इसे संसदीय मर्यादाओं के विपरीत बताते हुए बैठक का बहिष्कार किया। सरकार का पक्ष है कि निमंत्रण संसदीय अभिलेखों और उपलब्ध आधिकारिक स्थिति के आधार पर भेजे गए हैं तथा इसमें किसी प्रकार की प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं हुआ है।यह विवाद केवल एक बैठक तक सीमित नहीं है।इसके पीछे भारतीय राजनीति में लगातार बढ़ता अविश्वास,दल -बदल की घटनाएँ, गठबंधनों का विघटन,राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर उठ रहे प्रश्न भी जुड़े हैं।विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ दल विपक्ष को कमजोर करने की दीर्घकालिक राजनीतिक रणनीति पर कार्य कर रहा है।सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहती है कि लोकतंत्र में प्रत्येक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कानून के दायरे में राजनीतिक निर्णय लेने का अधिकार है तथा दल- बदल से जुड़े मामलों का अंतिम निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं।इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित कराने की तैयारी में है।संसद की उपलब्ध कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आयकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन)विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन)विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक,राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियमन)अधिनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रणा समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।यही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभावी क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि यह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या का भी प्रश्न बन चुका है।परिसीमन आने वाले वर्षों की भारतीय राजनीति का सबसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक विषय बनता दिखाई दे रहा है। जनसंख्या के आधार पर लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में परिवर्तन की संभावना है।दक्षिण भारत के अनेक राज्यों और क्षेत्रीय दलों ने पहले ही आशंका व्यक्त की है कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता प्राप्त करने वाले राज्यों को प्रतिनिधित्व के स्तर पर नुकसान उठाना पड़ सकता है।दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्य समान जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए परिसीमन केवल चुनावी गणित का विषय नहीं,बल्कि संघीय ढाँचे,क्षेत्रीय संतुलन और राष्ट्रीय राजनीतिक संरचना से जुड़ा संवेदनशील प्रश्न बन गया है।मानसून सत्र में विपक्ष की रणनीति भी लगभग स्पष्ट दिखाई दे रही है।विपक्ष संसद के भीतर सरकार को भ्रष्टाचार,बेरोज़गारी, महँगाई,कृषि संकट,राज्यों के अधिकार,संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता,जाँच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग,दल-बदल, सामाजिक न्याय तथा महिला आरक्षण के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर घेरने की तैयारी में है।इसके अतिरिक्त लद्दाख को संवैधानिक संरक्षण,छठी अनुसूची के प्रावधानों तथा पर्यावरणीय संरक्षण की माँग को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा चलाए गए आंदोलन को भी विपक्ष राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाने का प्रयास करेगा।सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय जनप्रतिनिधित्व अब केवल क्षेत्रीय मुद्दे नहीं,बल्कि राष्ट्रीय नीति के अभिन्न अंग बन चुके हैं।भ्रष्टाचार का प्रश्न भी इस सत्र में प्रमुखता से उठ सकता है।विपक्ष विभिन्न सरकारी निर्णयों, सार्वजनिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली तथा राजनीतिक जवाबदेही को लेकर सरकार से प्रश्न पूछने की तैयारी में है।वहीं सरकार डिजिटल भुगतान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,सरकारी खरीद की ई-प्रणाली, जीएसटी, डिजिटल प्रशासन तथा तकनीक आधारित पारदर्शिता को भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत कर रही है। स्वाभाविक है कि इस विषय पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी बहस देखने को मिल सकती है।लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जनादेश की रक्षा और संसदीय मर्यादाओं को सुरक्षित रखना है।यदि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।यह भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाज़ी और स्थगन की भेंट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार की नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे।20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिरोध तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवैधानिक मर्यादाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अंततः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं,परन्तु संवाद उसका प्राण है।यदि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।यदि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

जरूरी है घुसपैठियों के प्रति सती

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसांख्यिकी बदलाव पर चिंता बढ़ रही है। ईडी और यूपी एटीएस ने घुसपैठियों को बसाने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई की है, जबकि चुनाव आयोग बंगाल में मतदाता सूची की गहन समीक्षा कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक लंबे समय से घुसपैठियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए हुए हैं। वे उनकी पहचान करने और उन्हें देश से बाहर निकालने की बातें लगातार करते चले आ रहे हैं।

संजय गुप्त

समय-समय पर प्रधानमंत्री भी घुसपैठ का उल्लेख करते रहे हैं। गृह मंत्री और प्रधानमंत्री की ओर से घुसपैठियों के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर विपक्षी दलों की ओर से अक्सर यह कहा जाता रहा है कि वे सीमांत राज्यों और खासकर बंगाल में चुनावी लाभ के लिए घुसपैठ का मुद्दा उठाते हैं, लेकिन अब वहां चुनाव हो गए, तब भी यदि वे घुसपैठियों के खिलाफ अपना अभियान छेड़े हुए हैं तो इसका यही अर्थ है कि वे इसे लेकर गंभीर हैं और इस समस्या का समाधान होते हुए देखना चाहते हैं। इसकी पुष्टि इससे होती है कि प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकी में बदलाव के दुष्प्रभावों का पता लगाने के लिए एक समिति गठित की है। इस समिति के साथ गृह मंत्री दो बार बैठक कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे बंगाल, पूर्वोत्तर और साथ ही अन्य सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ पर लगाम लगाने के उपायों की समीक्षा कर रहे हैं। इसी क्रम में बंगाल में बांग्लादेश से लगती सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है।

घुसपैठियों पर लगाम लगाने की सक्रियता के बीच पिछले दिनों यह खबर आई कि प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी

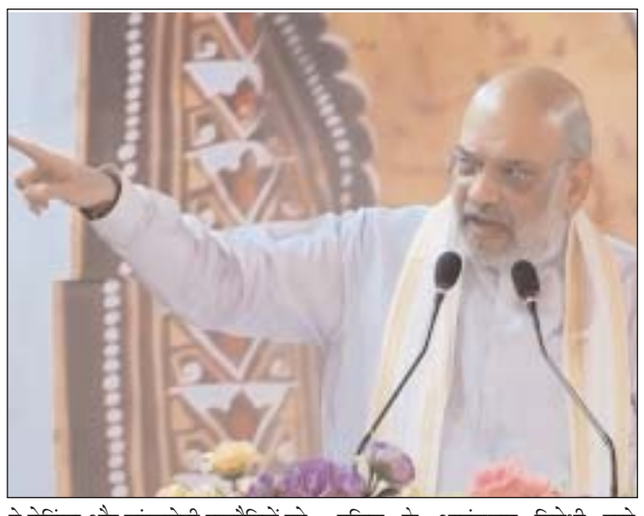

ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को अवैध तरीके से देश में लाकर बसाने में लिप्त एक ऐसे नेटवर्क के कई ठिकानों पर छापेमारी की, जो ट्रस्ट, एनजीओ आदि के जरिये विदेश से चंदा लेता था। यह नेटवर्क कितना व्यापक है, इसका अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि ईडी ने बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी की। उसे बंगाल के एक मदरसे से 40 लाख रुपये और कुछ सोने के सिक्के मिले। इस नेटवर्क के बारे में सुराग तब मिला था, जब उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद विरोधी दस्ते अर्थात एटीएस ने करीब दो वर्ष पहले यह पता लगाया था कि एक नेटवर्क म्यांमार के रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेजों से लैस कर और उन्हें आर्थिक सहायता देकर देश के विभिन्न हिस्सों में बसाने में लगा हुआ है। इस नेटवर्क का संबंध आतंकी संगठनों से जुड़े होने के भी संकेत मिले थे। यूपी एटीएस की इस जांच के आधार पर ही ईडी ने अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाई और यह पाया कि घुसपैठियों के मददगार नेटवर्क की ओर से विदेशी अनुदान विनियमन अधिनियम अर्थात एफसीआरए के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा था।

पूर्वोत्तर और बंगाल में तो न जाने कब से घुसपैठ हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से म्यांमार के रोहिंग्या मुसलमान भी भारत में घुसपैठ करने में लगे हुए हैं। उनके मददगार कितने प्रभावशाली हैं, यह इससे समझा जा सकता है कि घुसपैठिए बंगाल से हजारों किलोमीटर दूर जम्मू, हैदराबाद तक जा बसे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों ने तो करीब-करीब देश के हर राज्य में अपने ठिकाने बना लिए हैं। उन्होंने आजीविका के साधन जुटाने के साथ ही राशन कार्ड, आधार तक हासिल कर लिए हैं। कई मामले ऐसे आए हैं, जिनसे यह पता चला कि वे मतदाता भी बन गए हैं।

वास्तव में इसी कारण चुनाव आयोग को बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान अनेक लोगों के नाम वोटर लिस्ट से इस संदेह के चलते हटाने पड़े कि वे भारत के नागरिक नहीं हैं। बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों के प्रति एक लंबे समय से बहुत उदारता का परिचय दिया जा रहा है। पहले कांग्रेस और वाम मोर्चा सरकारों ने घुसपैठ की अनदेखी की। इसके बाद यही काम ममता बनर्जी करने लगीं। कहना कठिन है कि बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में कितने घुसपैठिए भारतीय नागरिक के रूप में रह रहे हैं, लेकिन सभी इससे परिचित हैं कि बंगाल में एसआइआर के दौरान एक बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अपने देश लौटने के लिए कतार लगाए हुए थे। घुसपैठियों को बाहर निकाला ही जाना चाहिए, क्योंकि वे न केवल देश के संसाधनों पर बोझ हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा भी हैं। भारत एक विकासशील देश जरूर है, पर यहां अत्यधिक गरीबी भी है। केंद्र और राज्य सरकारें निर्धनता उन्मूलन के लिए जो अनेक योजनाएं चला रही हैं, उनका लाभ उठाने का अधिकार देश के गरीब लोगों को है, न कि घुसपैठियों को भी। समस्या यह है कि विपक्षी दल घुसपैठियों को एक वोट बैंक के रूप में देखते हैं। वोटों के लोभ में वे राष्ट्रीय सुरक्षा की अनदेखी ही करते हैं। विपक्षी दल चुनाव आयोग की एसआइआर प्रक्रिया का विरोध इसीलिए कर रहे हैं कि कहीं घुसपैठियों की पहचान न हो जाए। चूंकि घुसपैठिए बड़ी संख्या में मुस्लिम हैं, इसलिए मुस्लिम तुष्टीकरण की भी राजनीति की जा रही है। एसआइआर एक जटिल प्रक्रिया है। चुनाव आयोग के लिए इस प्रक्रिया को बिना किसी गड़बड़ी के पूरा करना कठिन है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इस प्रक्रिया को होने ही न दिया जाए। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पूर्वोत्तर के राज्यों में घुसपैठिए वैसे ही समस्या बन गए हैं, जैसे बंगाल में बने हुए हैं। वैसे तो विश्व के अनेक अमीर देशों में गरीब देशों से अवैध तरीके से बसने वाले लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त होता है, लेकिन वहां की स्थिति अलग है। इन देशों में मानव संसाधन की कमी देखी जा रही है। भारत में ऐसा नहीं है। भारत घुसपैठियों के प्रति उदारता का परिचय नहीं दे सकता, क्योंकि वे देश के सीमित संसाधनों का लाभ उठाने के साथ सीमांत इलाकों में सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने और स्थानीय संस्कृति और अस्मिता को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में घुसपैठियों के खिलाफ सघन कार्रवाई होनी ही चाहिए। इसी के साथ यह भी आवश्यक है कि घुसपैठियों के मददगारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, क्योंकि अब यह स्पष्ट है कि वे किसी साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से उन्हें भारत में लाकर जनसांख्यिकी को बदल रहे हैं और देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

जिला स्तरीय छात्रावास समिति की बैठक सम्पन्न: प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने के निर्देश, बच्चों की सुरक्षा व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर कलेक्टर का विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में संचालित आश्रमों एवं छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय छात्रावास समिति की बैठक में प्रवेश प्रक्रिया से लेकर विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, शिक्षा और समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत संचालित जिले के51 आश्रमों एवं छात्रावासों में नए छात्र-छात्राओं के प्रवेश की तैयारियों का जायजा लिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों और मापदंडों का पूरी गंभीरता से पालन करते हुए पात्र विद्यार्थियों को समय पर प्रवेश दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए तथा किसी भी पात्र छात्र-छात्रा को अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े उन्होंने विशेष रूप से अनाथ तथा माता-पिता विहीन बच्चों को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता के साथ प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर जांगड़े ने छात्रावासों में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने सभी महिला छात्रावासों में महिला होमगार्ड की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों को भी छात्रावासों की नियमित निगरानी एवं देखरेख में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को किसी भी परिस्थिति में असुरक्षित या अकेला न छोड़ा जाए तथा उनकी देखभाल की समुचित व्यवस्था हर समय बनी रहे बैठक में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने सभी आश्रमों एवं छात्रावासों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'स्वस्थ तन-स्वस्थ मन' योजना के तहत चिकित्सकों द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच की जाए तथा विशेष रूप से वर्षा ऋतु में स्वच्छता और व्यक्तिगत हाइजीन पर अतिरिक्त ध्यान दिया जाए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी रखी जाए ताकि किसी भी बीमारी की समय रहते पहचान और उपचार संभव हो सके। भोजन की गुणवत्ता को लेकर भी कलेक्टर ने सख्त निर्देश जारी किए उन्होंने कहा कि छात्रावासों में प्रतिदिन भोजन और पेयजल की गुणवत्ता की जांच की जाए तथा खाद्यान्न भंडारण स्थल पूरी तरह स्वच्छ, सुरक्षित और नमी रहित रखा जाए रसोइयों को पौष्टिक, संतुलित और स्वच्छ भोजन तैयार करने के निर्देश दिए गए ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आहार मिल सके और उनका शारीरिक विकास बेहतर हो। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए छात्रावासों में नियमित खेलकूद, योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियां तथा रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित करने के निर्देश दिए उन्होंने परिसर में किचन गार्डन विकसित करने और वृक्षारोपण अभियान चलाने पर भी जोर दिया उनका कहना था कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित होगी। उन्होंने छात्रावासों की आधारभूत सुविधाओं की भी समीक्षा करते हुए सभी शौचालयों की नियमित साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, सुरक्षित आवासीय वातावरण तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए यदि किसी छात्रावास में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है तो संबंधित अधीक्षक तत्काल एसडीएम, तहसीलदार अथवा विभागीय अधिकारियों को सूचना देकर उसका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश पुलिस का बड़ा एक्शन: 6 दिनों में 70 लाख रुपये से अधिक की चोरी गई संपत्ति बरामद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध चलाए गए विशेष अभियान में पिछले छह दिनों के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है प्रदेश के विभिन्न जिलों में की गई प्रभावी कार्रवाई में 70 लाख रुपये से अधिक मूल्य की चोरी गई संपत्ति बरामद की गई, जबकि 33 आरोपियों को गिरफ्तार कर कई अंतर्राज्यीय एवं संगठित चोरी गिरोहों का पर्दाफाश किया गया। गुना पुलिस ने चैन चोरी के आठ मामलों का खुलासा करते हुए तीन अंतर्राज्यीय गिरोहों के 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज और विभिन्न राज्यों के समन्वय से 21.20 लाख रुपये मूल्य की 11 सोने की चेन बरामद की भोपाल जीआरपी ने ट्रेनों में चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के नौ सदस्यों को गिरफ्तार कर लगभग 15 लाख रुपये के स्वर्णाभूषण एवं अन्य चोरी का सामान बरामद किया इस कार्रवाई में 250 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण महत्वपूर्ण साबित हुआ शिवपुरी की थाना देहात पुलिस ने मात्र 24 घंटे में शटर और ताले तोड़कर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा एक कार सहित करीब 11.60 लाख रुपये की चोरी गई संपत्ति बरामद की। वहीं बड़वानी जिले की सेंधवा ग्रामीण पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 लाख रुपये मूल्य की पूरी चोरी गई संपत्ति बरामद कर ली सीहोर कोतवाली पुलिस ने दिगंबर जैन मंदिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए आरोपी पुजारी से लगभग आठ लाख रुपये की चोरी गई संपत्ति बरामद की।

पशु सखियों की सक्रियता से गांव-गांव सुदृढ़ हो रहा पशुधन स्वास्थ्य, टीकाकरण और उपचार सेवाओं से पशुपालकों को मिल रहा बड़ा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में पशुपालन विभाग और पशु सखियों के संयुक्त प्रयास से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुधन स्वास्थ्य सेवाएं लगातार मजबूत हो रही हैं जिले के तीनों विकासखंड-मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर-की ग्राम पंचायतों में पशु सखियां गांव-गांव पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण, उपचार, दवाइयों का वितरण और पशुपालकों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। इससे पशुओं में बीमारियों की रोकथाम के साथ-साथ पशुपालकों की आय और आजीविका को भी मजबूती मिल रही है पशु सखियां नियमित रूप से पशुपालन विभाग के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए पशुओं को विभिन्न संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चला रही हैं साथ ही दस्त (डायरिया), किलनी, पिस्सू तथा अन्य रोगों से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराकर समय पर उपचार सुनिश्चित कर रही हैं ग्राम पंचायत केवटी में पशु सखी ने फिरोजा की बीमार बकरी का उपचार कर उसे राहत पहुंचाई वहीं ग्राम पंचायत बरौता में पशु सखी बाबी दास ने सविता और नानबाई के पशुओं को किलनी एवं पिस्सू से बचाव की दवा उपलब्ध कराई ग्राम पंचायत दुगला में नसीमा दीदी के यहां पशु चिकित्सक के सहयोग से 10 बकरी-बकरों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया इसी तरह ग्राम घोड़बंधा (बिछलीपार) में पशु सखी रूचिता ने बैल, भैंसा और बकरियों का टीकाकरण कराया। ग्राम केसौड़ा में पशु सखी शशिकला ने राम के पशुओं को परजीवी संक्रमण से बचाने के लिए आवश्यक दवाइयां वितरित कीं ग्राम सिरखोला में पशु सखी कुसुम ने पशुओं को कैल्शियम सिरप पिलाकर उनके स्वास्थ्य और पोषण का विशेष ध्यान रखा ग्राम पंचायत घटई में पशु सखी रोशनी सिंह ने 20 भैंसों का टीकाकरण कराया, जबकि ग्राम बालशिव (गरूड़डोल) में पनेशिया फूल कुंवर के पशु को दस्त से बचाने के लिए आवश्यक उपचार और इंजेक्शन उपलब्ध कराया गया इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रहा है। पशु सखियां केवल उपचार और टीकाकरण तक सीमित नहीं हैं बल्कि पशुपालकों को पशुओं के संतुलित आहार, स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर उपचार के प्रति भी जागरूक कर रही हैं।

तीनों विकासखंडों में कृषि विभाग का विशेष अभियान: किसानों को नि:शुल्क बीज वितरण के साथ योजनाओं और वैज्ञानिक खेती की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा तीनों विकासखंड-भरतपुर, खड़गवां और मनेन्द्रगढ़-में व्यापक जनजागरूकता एवं बीज वितरण अभियान चलाया जा रहा है इन कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर दलहन एवं तिलहन योजना के तहत नि:शुल्क गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि उन्नति योजना, इफको नैनो डीएपी तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी देकर वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है विकासखंड भरतपुर के ग्राम देवगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में आत्मनिर्भर दलहन योजना के अंतर्गत किसानों को अरहर एवं उड़द के बीज वितरित किए गए कार्यक्रम में जनपद सदस्य लालसाय बैगा की उपस्थिति रही कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को कृषि उन्नति योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और इफको नैनो डीएपी के उपयोग एवं लाभों की जानकारी देते हुए समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक उपयोग और फसल सुरक्षा के लिए बीमा कराने का महत्व समझाया अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिक खेती अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत चैनपुर में जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह और ग्राम सरपंच की मौजूदगी में किसानों को नि:शुल्क अरहर बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, गुणवत्तायुक्त बीजों के चयन तथा शासन की कृषि हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया किसानों ने भी योजनाओं के प्रति उत्साह दिखाते हुए आधुनिक तकनीकों को अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। वहीं विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत सिंगरौली में आत्मनिर्भर दलहन एवं तिलहन योजना के तहत अरहर, उड़द और तिल के बीजों का वितरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहित विभागीय अमला उपस्थित रहा अधिकारियों ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, संतुलित पोषण प्रबंधन, नैनो डीएपी के प्रभावी उपयोग और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी कृषि विभाग द्वारा संचालित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किसानों तक शासन की कृषि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांव स्तर तक पहुंचाना है समय पर गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाने से जिले में कृषि विकास को नई गति मिल रही है इन प्रयासों से खेती की लागत कम करने, उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में स्थायी वृद्धि के लक्ष्य को भी मजबूती मिल रही है।

महिला कृषि सखियों ने बदली खेती की तस्वीर: प्राकृतिक खेती अपनाकर 1200 किसान बने आत्मनिर्भर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के मनेंद्रगढ़ विकासखंड में बिहान योजना के अंतर्गत कार्यरत महिला कृषि सखियां ग्रामीण कृषि परिवर्तन की नई मिसाल बनकर उभरी हैं उनके सतत प्रयासों और मार्गदर्शन से लगभग 1200 किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ चुके हैं कभी रासायनिक उर्वरकों और महंगे कीटनाशकों पर निर्भर रहने वाले किसान अब कम लागत, बेहतर उत्पादन और पर्यावरण अनुकूल खेती को अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं इस बदलाव का आधार गांव-गांव संचालित आजीविका सेवा केंद्र बने हैं जहां नियमित रूप से कृषक पाठशालाओं का आयोजन किया जाता है। इन पाठशालाओं में किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरक निर्माण, बीज उपचार, उन्नत कृषि तकनीकों और किचन गार्डन की जानकारी दी जाती है महिला कृषि सखियां केवल प्रशिक्षण ही नहीं देतीं, बल्कि खेतों में प्रदर्शन कर किसानों को नई तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी कराती हैं इससे किसानों का विश्वास बढ़ा है और प्राकृतिक खेती को अपनाने का दायरा लगातार विस्तृत हो रहा है हाल ही में ग्राम डिहुली स्थित आजीविका सेवा केंद्र में महिलाओं को स्थानीय संसाधनों से जीवामृत, घन जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, अग्निअस्त्र और नीम आधारित जैविक कीटनाशक तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया इस पहल से किसान अब अपने गांव में ही कम लागत पर जैविक उत्पाद तैयार कर रहे हैं जिससे खेती का खर्च कम होने के साथ मिट्टी की उर्वरता भी सुरक्षित बनी हुई है महिला कृषि सखियां किसानों को बरबटी, लौकी, टमाटर जैसी सब्जियों की वैज्ञानिक खेती, छतनुमा एवं तिकोना मचान पद्धति अपनाने के लिए भी प्रेरित कर रही हैं इन तकनीकों से फसलों में रोगों का प्रकोप कम होता है उत्पादन बढ़ता है और सब्जियों की गुणवत्ता बेहतर होती है वहीं 'हर घर किचन गार्डन' अभियान के माध्यम से ग्रामीण परिवारों में पौष्टिक सब्जियों का उत्पादन बढ़ा है, जिससे घरेलू खर्च में कमी आने के साथ पोषण स्तर में भी सुधार हुआ है इसके अलावा एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत हल्दी उत्पादन, ग्राफ्टेड टमाटर की खेती, बकरी पालन और मुर्गी पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है डिहुली, पिंड्रा-घुटरा, परसगढ़ी और लोहारी के आजीविका सेवा केंद्रों में तैयार जैविक उत्पाद अब स्थानीय किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

हर घर नल से जल से बदली जिंदगी: जल जीवन मिशन ने आशादेवी के घर पहुंचाई सुविधा, स्वास्थ्य और सम्मान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित 'हर घर नल से जल' अभियान के तहत अब गांवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत पाराडोल निवासी आशादेवी की कहानी इस परिवर्तन की जीवंत मिसाल है जिनके जीवन में इस योजना ने सुविधा, सुरक्षा और सम्मान की नई रोशनी लाई है कुछ समय पहले तक आशादेवी का अधिकांश समय घर के लिए पानी जुटाने में ही बीत जाता था उन्हें प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर कुएं और हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था गर्मी के मौसम में जलस्रोतों का जलस्तर घटने से यह परेशानी और बढ़ जाती थी पानी लाने में लगने वाले समय और कठिन मेहनत का असर घरेलू कामकाज और परिवार की दिनचर्या पर भी पड़ता था कई बार स्वच्छ पानी उपलब्ध न होने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना भी करना पड़ता था। जल जीवन मिशन के तहत गांव में हर घर नल से जल योजना लागू होने के बाद अब आशादेवी के घर तक नियमित रूप से स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंच रहा है इससे परिवार की वर्षों पुरानी पानी की समस्या समाप्त हो गई है घर बैठे शुद्ध पानी मिलने से न केवल समय और श्रम की बचत हुई है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिला है अब आशादेवी अपने बचाए हुए समय का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, परिवार की देखभाल और अन्य घरेलू कार्यों में कर रही हैं। आशादेवी कहती हैं कि पहले पानी के लिए रोज संघर्ष करना पड़ता था लेकिन अब घर में नल से स्वच्छ पानी मिलने से जीवन काफी आसान हो गया है उन्होंने बताया कि इस सुविधा ने महिलाओं के दैनिक जीवन का बोझ कम किया है और पूरे परिवार को बेहतर स्वास्थ्य एवं सुविधा का लाभ मिला है उन्होंने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने ग्रामीण परिवारों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का प्रेरक समापन: करियर काउंसलिंग से बालिकाओं को मिली सफलता की नई राह, कौशल, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मिला संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत आयोजित करियर काउंसलिंग श्रृंखला का समापन सोमवार को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, झगराखांड में उत्साह और प्रेरणादायी माहौल के बीच हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, कौशल विकास, करियर नियोजन, आत्मनिर्भरता और जीवन में उपलब्ध विभिन्न अवसरों के प्रति जागरूक बनाना था। समापन दिवस पर बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर विशेषज्ञों से संवाद किया और

अपने भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया कार्यक्रम में छात्राओं को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों, कौशल विकास योजनाओं, रोजगार और स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बदलते समय में केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं बल्कि व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और सही करियर योजना भी सफलता के लिए आवश्यक हैं उन्होंने छात्राओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि शिक्षा और कौशल ही उज्ज्वल एवं आत्मनिर्भर भविष्य की सबसे मजबूत नींव हैं कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के महिला सशक्तिकरण केंद्र की जेंडर विशेषज्ञ मती शैलजा गुप्ता ने बालिकाओं को लैंगिक समानता, महिला अधिकार, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज की बालिकाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और यदि उन्हें सही अवसर, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास मिले तो वे समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं उन्होंने छात्राओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा सामाजिक बदलाव की सहभागी बनने का आह्वान भी किया वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ मती अनीता शाह ने छात्राओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी दी उन्होंने बचत की आदत, बैंकिंग सेवाओं का उपयोग, डिजिटल भुगतान, वित्तीय प्रबंधन और आर्थिक आत्मनिर्भरता के महत्व को सरल उदाहरणों के माध्यम से समझाया उन्होंने कहा कि वित्तीय रूप से जागरूक युवतियां न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन सकती हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिनिधि अंजनी यादव ने छात्राओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों से अवगत कराया। उन्होंने महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम तथा नि:शुल्क विधिक सहायता जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या उत्पीड़न की स्थिति में वे बिना किसी संकोच के संबंधित विभागों, महिला हेल्पलाइन और विधिक संस्थाओं से सहायता ले उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को जनसमर्थन: 8.30 लाख लोगों तक पहुँची मध्यप्रदेश पुलिस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' लगातार जनआंदोलन का स्वरूप लेता जा रहा है। अभियान के चौथे दिन प्रदेशभर में 1,300 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 8 लाख 30 हजार से अधिक नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और महिलाओं तक नशामुक्त जीवन का संदेश पहुँचाया गया। अभियान के तहत शिक्षण संस्थानों, ग्रामीण क्षेत्रों, हॉटस्पॉट इलाकों और सार्वजनिक स्थलों पर रैलियां, नुक्कड़ नाटक, जनचौपाल, मैराथन, साइक्लोथॉन, हस्ताक्षर अभियान, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से नशे के आदी लोगों को परामर्श और पुनर्वास केंद्रों की जानकारी भी दी गई। इंदौर नगरीय ने सर्वाधिक 4.39 लाख से अधिक लोगों तक पहुँच बनाते हुए अभियान में अग्रणी भूमिका निभाई में 1.35 लाख से अधिक लोगों को चित्रकला, रंगोली, निबंध और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया। बालाघाट में 172 कार्यक्रमों के जरिए 30 हजार से अधिक लोगों तक संदेश पहुँचा जबकि जीआरपी भोपाल ने रेलवे स्टेशनों पर 20,700 से अधिक यात्रियों और आमजन को जागरूक किया।

शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी कर रहे पानी के प्लांटों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा पानी के प्लांटों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका के कार्यपालन यंत्री श्री विजय कोली एवं उपयंत्री श्री वैभव लोवानिया द्वारा काहिरी प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल की गुणवत्ता जांचने के लिए आवश्यक ऑनसाइट टेस्ट किए गए और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैतूल में पेट्रोल पंप पर हमला, आरोपी गिरफ्तार, पुरानी रंजिश में 9-10 युवकों ने की मारपीट, तोड़फोड़ सीसीटीवी में कैद

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल-इंदौर हाईवे स्थित खेड़ी के शिव शक्ति सेल्स पेट्रोल पंप पर कर्मचारियों से मारपीट और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अनुराग उर्फ अरुण मालवीय को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार रात हुई इस घटना में 9-10 युवकों ने पेट्रोल पंप पर पहुंचकर कर्मचारियों के साथ मारपीट की और कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 9 बजे पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे राजेश शेषकर (28) के पास अनुराग मालवीय पेट्रोल भरवाने पहुंचा। पेट्रोल भरवाने के बाद दोनों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि अनुराग ने राजेश के साथ अभद्रता की, जातिसूचक शब्द कहे और थप्पड़ मारकर वहां से चला गया।

दो घंटे बाद साथियों के साथ लौटकर किया हमला: करीब रात 11 बजे अनुराग मालवीय 9-10 साथियों के साथ दोबारा पेट्रोल पंप पहुंचा। आरोपियों ने पहले कर्मचारियों से विवाद किया, फिर राजेश शेषकर को कार्यालय के अंदर और बाहर घसीटकर लाठी, डंडों और पाइप से पीटा। बीच-बचाव करने आए कर्मचारी मनोज चंदेलकर के साथ भी मारपीट की गई। हमलावरों ने कार्यालय के कांच तोड़ दिए और परिसर में जमकर उत्पात मचाया। हमले में दोनों कर्मचारियों को चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। फरियादी की शिकायत पर अपराध क्रमांक 601/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं तथा एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला कायम किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अनुराग उर्फ अरुण पिता कैलाश मालवीय को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर होगी कार्रवाई: खेड़ी चौकी प्रभारी राकेश सरयाम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दोनों पक्षों के बीच वाहन खड़ा करने को लेकर पुरानी रंजिश सामने आई है। घटना के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। मामले की विवेचना जारी है।

इटारसी जंक्शन पर 600 किलो खराब खाना नष्ट कराया, छापे में गंदगी मिली, एक्सपायरी डेट की ब्रेड और सरकारी नमक जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। नर्मदापुरम जिला प्रशासन ने इटारसी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दिए जा रहे खाने की क्वालिटी जांची। खाद्य सुरक्षा विभाग, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को 12 बंगला इलाके में रेलवे स्टेशन को खाना सप्लाई करने वाले तीन कारखानों पर छापा मारा। इस दौरान करीब 600 किलो दूषित खाना मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। एसडीएम नीलेश कुमार शर्मा ने बताया कि कार्रवाई के दौरान बिना फूड लाइसेंस के चल रहे होटल धर्मराज को सील कर दिया गया है। टीम ने राहुल इंटरप्राइजेज, अतुल अवस्थी और होटल धर्मराज के ठिकानों की जांच की। जांच के दौरान देखा गया कि कई जगहों पर भारी गंदगी के बीच रेलवे यात्रियों के लिए खाना तैयार किया जा रहा था। मौके से आलू की सब्जी की तरी, भारी मात्रा में पके हुए आलू, एक्सपायरी डेट वाली ब्रेड और अन्य खराब सामान जब्त कर नष्ट किया गया। एक्सपायरी ब्रेड के सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

भारी मात्रा में मिला सरकारी नमक, घरेलू सिलेंडरों का हो रहा था इस्तेमाल: कार्रवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाला खुलासा 1 क्विंटल 85 किलो पीडीएस (सार्वजनिक वितरण प्रणाली) का नमक मिलने से हुआ। प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि सरकारी राशन का नमक इन निजी वेंडरों तक कैसे पहुंचा। इसके अलावा, तीन घरेलू गैस सिलेंडर भी जब्त किए गए हैं, जिनकी वैधता और इस्तेमाल की जांच की जा रही है। अचानक हुई इस छापेमारी की खबर मिलते ही कुछ अन्य वेंडर अपने ठिकानों पर ताला लगाकर भाग निकले।

नर्मदापुरम में युवक को 3 घंटे बंधक बनाकर पीटा

दूसरी दुकान से दारू खरीदकर ले जाने पर रोका, शराब ठेकेदार के गुर्गों पर अपहरण का आरोप

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुर (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में शराब ठेकेदार से जुड़े कर्मचारियों पर युवक का अपहरण कर बंधक बनाने और मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि शराब खरीदकर घर लौट रहे 22 वर्षीय युवक को रास्ते में रोककर जबरदस्ती गाड़ी में बैठाया गया और करीब तीन घंटे तक उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद आरोपी उसे थाने लेकर पहुंचे और आबकारी एक्ट की धारा 34(2) में झूठा केस दर्ज कराने का दबाव बनाने लगे।

मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को हिरासत में ले लिया है, जबकि दो आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाकर मारपीट करने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

शोभापुर से शराब लेकर लौट रहा था युवक: पुलिस के अनुसार घटना 18 जुलाई की देर रात की है। पिपरिया के शोभापुर हनुमान मढ़िया क्षेत्र निवासी 22 वर्षीय राजा विष्णु कहार अपने कुछ परिचितों के लिए शराब लेने शोभापुर गया था। वह चार बोतल शराब खरीदकर वापस पिपरिया जा रहा था।

इसी दौरान हनुमान मढ़िया के पास शराब ठेकेदार के कर्मचारियों ने कथित रूप से

उसकी गाड़ी रोक ली।

आरोप है कि कर्मचारियों ने उसे जबरदस्ती अपनी बोलेरो वाहन में बैठाया और कुछ दूरी पर ले गए।

तीन घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट का आरोप: राजा विष्णु कहार ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे करीब तीन घंटे तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी रात करीब 11 बजे उसे पिपरिया थाने लेकर पहुंचे। आरोप है कि यहां युवक के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कराने का दबाव बनाया गया। हालांकि पुलिस ने पूरे मामले की जांच की और आरोपियों की कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित किया।

पुलिस ने आरोपियों पर ही दर्ज किया मामला: सोहागपुर थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि युवक के साथ अपहरण और मारपीट की घटना सामने आई है।

● चार बोतल शराब रखना नियम के अनुसार वैध

थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि आबकारी नियमों के अनुसार कोई भी व्यक्ति निजी उपयोग के लिए चार बोतल शराब कहीं से भी खरीदकर ले जा सकता है। यह पूरी तरह वैध है। ऐसे मामले में पुलिस या आबकारी विभाग कार्रवाई नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि युवक के पास चार बोतल शराब थी, इसलिए उसके खिलाफ आबकारी एक्ट का मामला बनाने का कोई आधार नहीं था।

● शराब के दामों को लेकर भी उठ रहे सवाल

मामले के बीच क्षेत्र में शराब की कीमतों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिपरिया और बनखेड़ी क्षेत्र में शराब एमआरपी या उससे अधिक कीमत पर बिकती है। वहीं शोभापुर में शराब अपेक्षाकृत कम कीमत पर मिलने की बात कही जा रही है। लोगों के अनुसार दोनों क्षेत्रों में शराब की कीमतों में 200 से 300 रुपए तक का अंतर है। इसी वजह से कई लोग शोभापुर से शराब खरीदने जाते हैं।

● शराब ठेकेदार ने आरोपों से किया इनकार

शराब ठेकेदार और भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अटल राय ने मामले में सफाई देते हुए कहा कि अपहरण और मारपीट करने वाले लोग उनके कर्मचारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। वहीं पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

● महंगी शराब बिक्री को लेकर पहले भी शिकायतें

स्थानीय लोगों के अनुसार जिले में शराब दुकानों पर ओवररेट में बिक्री की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं। लोगों का आरोप है कि कई दुकानों पर एमआरपी से अधिक कीमत वसूली जाती है। इस मामले में आबकारी विभाग पर भी सवाल उठते रहे हैं। शिकायतों के बावजूद शराब के रेट में बड़ा बदलाव नहीं आने की बात कही जा रही है।

मेढ़ पर सो रहे युवक पर चढ़ा ट्रैक्टर, मौत

अंधेरे में चालक को नहीं दिखा युवक, चालक ने खुद दी पुलिस को हादसे की सूचना

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। विदिशा। जिले के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र के कोलुआ धामनोद गांव में शुक्रवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। खेत की मेढ़ पर सो रहे 30 वर्षीय युवक की ट्रैक्टर से कुचलने से मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नितेश यादव (30) के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, नितेश यादव शुक्रवार रात अपने खेत की मेढ़ पर सो रहा था। इसी दौरान खेत में काम कर रहा ट्रैक्टर अंधेरे के कारण उसे नहीं देख सका और उसके ऊपर चढ़ गया। हादसा इतना भीषण था कि नितेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

चालक ने खुद दी पुलिस और परिजनों को सूचना: घटना के बाद

ट्रैक्टर चालक ने तत्काल पुलिस और मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही हैदरगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर ग्यारसपुर स्वास्थ्य केंद्र भेजा। शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई: एडिशनल एसपी मोनिका तिवारी ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर मौत के कारणों की पुष्टि होने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण बोले- अंधेरे में नहीं दिखा मेढ़ पर सोया युवक: ग्रामीणों के अनुसार, हादसा पूरी तरह दुर्घटनावश हुआ। रात का अंधेरा होने के कारण ट्रैक्टर चालक को मेढ़ पर सो रहा युवक दिखाई नहीं दिया और यह हादसा हो गया। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

57.9 लीटर अवैध शराब व मोटर साइकिल जब्त, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। बहेरिया थाना पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए लगभग 57.9 लीटर अवैध देसी एवं अंग्रेजी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के अनुसार शनिवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि जलसा होटल के पास स्थित पुलिया के पास एक व्यक्ति मोटर साइकिल पर बड़ी मात्रा में अवैध शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर ने टीम के साथ घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस टीम को देखकर आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। पुलिस ने उसका काफी दूर तक पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ सका। इसके बाद पुलिस ने मौके पर खड़ी मोटर साइकिल एवं उसके आसपास रखे प्लास्टिक के थैलों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान विभिन्न कंपनियों के 280 क्वार्टर व 10 बोतल देसी और अंग्रेजी शराब बरामद हुई। जब्त शराब की कुल मात्रा 57.900 लीटर और अनुमानित कीमत 55,150 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर

10 साल का बच्चा समेत 3 घायल, तीनों के पैर में फ्रैक्चर

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया-पचमढ़ी रोड पर झिरिया फॉरेस्ट नाके के पास रविवार रात तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में 10 वर्षीय बालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को 112 एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पारिवारिक कार्यक्रम से लौटते समय हुआ हादसा: अस्पताल रजिस्टर के अनुसार, घायलों में सन्नू प्रसाद (35), दिलीप (34) और विवेक (10) शामिल हैं। तीनों के सीधे पैर में गंभीर फ्रैक्चर हुआ है। परिजनों ने बताया कि सन्नू और दिलीप चचेरे भाई हैं, जबकि विवेक उनका भांजा है।

तीनों मोहगांव में पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। रविवार रात पिपरिया बाजार से खरीदारी कर लौटते समय पचमढ़ी की ओर से आ रही कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

कार मौके पर मिली, चालक फरार: स्टेशन रोड थाना के एएसआई पंकज नामदेव ने बताया कि कार (एमपी 04 सीएन 8972) हादसे के बाद घटनास्थल पर ही क्षतिग्रस्त अवस्था में मिली, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। घायलों के बयान दर्ज होने के बाद प्रकरण दर्ज किया जाएगा।

खरगोन में 13 दिन से बारिश नहीं, कपास, सोयाबीन की बढ़वार रुकी, मिर्च पर कीटों का खतरा बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले 13 दिनों से बारिश न होने के कारण खरीफ फसलों की बढ़वार रुक गई है। कपास और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलें प्रभावित हुई हैं, वहीं मिर्च की फसल पर कीटों के हमले का खतरा बढ़ गया है। जिले में उमस और तापमान बढ़कर 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है, जिससे दोपहर में फसलें मुरझाने लगी हैं। जिले में अब तक औसत 10.2 इंच (23%) बारिश दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि तक 8.6 इंच बारिश हुई थी।किसान रमण पटेल, शिवराम सेठाना और सदाशिव कर्मा ने बताया कि सोयाबीन, मक्का और कपास की अच्छी बढ़वार के लिए नियमित बारिश आवश्यक है। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि अधिक गर्मी के कारण मिर्च की फसल में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले चार दिनों में जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। जुलाई के अंतिम सप्ताह में एक मजबूत सिस्टम बनने की संभावना है, जिससे तेज बारिश के आसार हैं। इस सीजन में जिले में कुल 4 लाख हेक्टेयर रकबे में खरीफ फसलें लगाई गई हैं। इसमें 2 लाख 8 हजार हेक्टेयर में कपास, 25 हजार हेक्टेयर में मिर्च, 80 हजार हेक्टेयर में मक्का और 55 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन की फसलें शामिल हैं।

रतलाम में कुएं में डूबने से दो बच्चों की मौत

बिना मुंडेर का था कुआं, ऊपर तक पानी भरा था, नहाने के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले के रावटी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। बिना मुंडेर के पानी से लबालब भरे कुएं में नहाने गई दो बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद ग्रामीणों की मदद से करीब दो से तीन घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शव कुएं से बाहर निकाले गए। मृतक बच्चियों की पहचान मोरटूका निवासी सपना (12) पिता मोहन भाभर और सोनू (8) पिता भूरा डामर के रूप में हुई है। सोमवार सुबह दोनों का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिए गए।

खेत पर परिजनों के साथ गई थीं दोनों बच्चियां: जानकारी के अनुसार, घटना रविवार दोपहर करीब 2 बजे की है। दोनों बच्चियों के पिता के खेत आसपास ही हैं। रविवार को परिजन खेत में काम करने गए थे और सपना व सोनू भी उनके साथ गई थीं। इसी दौरान सपना अपने पिता के खेत पर बने कुएं पर सोनू के साथ नहाने चली गई। दोनों कुएं के किनारे बैठकर

नहा रही थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से दोनों पानी में गिर गईं और डूब गईं।

तलाश करने पर कुएं में मिलीं दोनों: जब काफी देर तक दोनों बच्चियां दिखाई नहीं दीं तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। आसपास खोजबीन करने पर पता चला कि दोनों कुएं में गिर गई हैं। इसके बाद ग्रामीणों को सूचना दी गई। जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने रेस्क्यू शुरू किया और करीब शाम 5:30 बजे दोनों बच्चियों के शव कुएं से बाहर निकाले।

बारिश के कारण कुएं में ऊपर तक भरा था पानी: डाबड़ी गांव के सरपंच प्रतिनिधि लालसिंह देवदा ने बताया कि यह कुआं खाल यानी निचले स्थान पर स्थित है। पिछले दिनों हुई बारिश के कारण आसपास के नालों से पानी बहकर कुएं में पहुंच गया था, जिससे कुआं पूरी तरह पानी से भर गया था। उन्होंने बताया कि कुएं पर सुरक्षा के लिए मुंडेर भी नहीं बनी हुई थी, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ था।

सोनू को बचाने में सपना भी डूबने की आशंका: ग्रामीणों और पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि पहले 8 वर्षीय सोनू पानी में गिरी होगी। उसे बचाने के प्रयास में 12 वर्षीय सपना भी कुएं में उतर गई और दोनों की डूबने से मौत हो गई। हालांकि दोनों बच्चियां किस तरह कुएं में गिरीं, इसकी पूरी जानकारी पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगी।

पीएम के बाद परिजनों को सौंपे शव: बहादसे के बाद दोनों शवों को रात में मेडिकल कॉलेज में रखा गया था। सोमवार सुबह पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे दोनों बच्चियों के शव गांव के लिए रवाना किए गए। घटना के बाद मोरटूका गांव में शोक का माहौल है। रावटी थाना प्रभारी सुरेंद्र गडरिया ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

सीहोर में दो बाइकें टकराईं, दो युवकों की मौत, तेज रफ्तार में आमने-सामने से भिड़ंत, जमोनिया रोड पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में रविवार रात हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा जमोनिया रोड पर ऋषभ वाटिका के सामने हुआ, जहां दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान शेरपुर निवासी 30 वर्षीय अकबर खान पुत्र बसारत खां और जमोनिया निवासी 20 वर्षीय रितेश पुत्र लक्ष्मीनारायण भिलाला के रूप में हुई है। हादसे में दोनों मोटरसाइकिलें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

दोनों बाइकें तेज रफ्तार में थीं: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय दोनों मोटरसाइकिलों की रफ्तार तेज थी। इसी कारण दोनों चालकों को संभलने का मौका नहीं मिला और टक्कर के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया।

आपके आंसू हमारे आंसू है

मैदान पर भावुक हुए मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने लिखा खास पोस्ट

नई दिल्ली ,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। खिताबी मुकाबले में हार के बाद कप्तान लियोनेल मेसी भावुक नजर आए। इस बीच, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने कप्तान मेसी के लिए खास पोस्ट लिखा है। स्पेन के खिलाफ फाइनल मैच में मेसी लय में दिखाई नहीं दिए और विपक्षी टीम ने उन्हें गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। अपने प्रदर्शन और खिताबी मुकाबले में मिली हार से मेसी खुद की भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। मेसी के लिए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'कप्तान, आपके आंसू हमारे आंसू हैं। आपने हमें जिंदगी की सबसे बड़ी खुशियां दीं। आपके समर्पण, उस जादू और आखिरी पल तक अपना सब कुछ झोंक देने के लिए आपका शुक्रिया। हम आपसे हमेशा प्यार करेंगे, लियो।'

लियोनेल मेसी का प्रदर्शन फीफा वर्ल्ड कप 2026 में शानदार रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 8 गोल और चार असिस्ट किए। मेसी ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना को मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने इस विश्व कप में कई बड़े रिकॉर्ड्स को भी अपने नाम किया। मेसी विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (12) करने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने इस मामले में पूर्व दिग्गज खिलाड़ी पेले (10) को पीछे छोड़ा। वह तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने। मेसी अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाने वाले पहले कप्तान बने। वह विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। स्पेन के खिलाफ मेसी 39 साल और 25 दिन की उम्र में मैदान पर उतरे। मेसी ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप (छह) खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। हालांकि, मेसी का जादू स्पेन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में नहीं चल सका। खिताबी मुकाबले का एकमात्र गोल अतिरिक्त समय में स्पेन की ओर से फेरान टोरेस ने किया।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के साथ मालामाल हुआ स्पेन

अर्जेंटीना पर भी हुई पैसों की बारिश

नई दिल्ली,एजेसीं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में स्पेन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन ने इस जीत के साथ ही दूसरी बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के बाद स्पेन पर जमकर पैसों की बरसात हुई है। स्पेन को फीफा विश्व कप का खिताब जीतने के बाद 50 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 480 करोड़ रुपये) की इनामी राशि मिली। पिछले वर्ल्ड कप में इनामी राशि 42 मिलियन डॉलर थी, और इस बार प्राइज मनी को 8 मिलियन डॉलर बढ़ाया गया था। वहीं, फाइनल में हार का सामना करने के बावजूद अर्जेंटीना को भी 33 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 318 करोड़ रुपये) दिए गए। विश्व कप में फ्रांस को हराकर तीसरे स्थान पर रहने वाली इंग्लैंड टीम को 29 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 279 करोड़ रुपये), तो चौथे स्थान पर रही फ्रांस को 27 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 260 करोड़ रुपये) मिले। क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाली हर टीम को 19 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 183 करोड़ रुपये) मिले। वहीं, राउंड ऑफ 16 में ही टूर्नामेंट से बाहर होने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में 144 करोड़ रुपये) दिए गए। स्पेन ने फाइनल मुकाबले में बेहतरीन खेल दिखाया। निर्धारित 90 मिनट में दोनों टीमों की ओर से कोई भी गोल नहीं हो सका। इसके बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा, जहां स्पेन के खिलाड़ी फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागते हुए स्पेन को दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बनाया। स्पेन ने 16 साल बाद विश्व कप की ट्रॉफी को अपने नाम किया है। इससे पहले, टीम ने साल 2010 में यह खिताब जीता था। स्पेन का डिफेंस पूरे टूर्नामेंट में बेहद मजबूत नजर आया और टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सिर्फ एक गोल खाया। स्पेन के मिडफील्डर रोड्रि टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी चुने गए और उन्होंने 'गोल्डन बॉल' को अपने नाम किया।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय शूटिंग टीम का ऐलान

नई दिल्ली,एजेसीं। भारत ने आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) के लिए 36 सदस्यीय टीम चुनी है। चीन के हांगझोऊ में 20 से 29 जुलाई तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) प्रतियोगिता 22 जुलाई से शुरू होगी, जिसमें सबसे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल इवेंट्स में मेडल का फैसला होगा। टूर्नामेंट का समापन 28 जुलाई को 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम और ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट्स के फाइनल के साथ होगा। भारतीय दल में राइफल, पिस्टल और शॉटगन इवेंट्स के लिए अनुभवी ओलंपियन और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिश्रण है। खिलाड़ी व्यक्तिगत और मिक्स्ड-टीम इवेंट्स, दोनों में हिस्सा लेंगे।

मनु और स्वप्निल के साथ ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, इलावेनिल वलारिवन, सिफ्ट कौर सामरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भनवाला, राइजा ढिल्लों, गनेमत सेखों और ओलंपियन अनंत जीत सिंह नरुका जैसे जाने-माने शूटर भी शामिल हैं।

पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल शामिल हैं, जबकि महिलाओं के इवेंट में आशी चौकसे, विदर्शा के. विनोद और सिफ्त कौर सामरा हिस्सा लेंगी।

महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल में सुरुचि, संयम और ईशा सिंह भारत की चुनौती पेश करेंगी। पुरुषों के इवेंट में केदारलिंग बी. उचागनवे, कमलजीत और आकाश भारद्वाज शामिल होंगे।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम में मनु भाकर, ईशा सिंह और राही सरनोबत की मौजूदगी होगी। पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम में अनीश भनवाला, ओंकार सिंह और भावेश शेखावत को चुना गया है।

शॉटगन इवेंट्स में, उदावीर सिंह जाजी, भवनीश मेंदीरत्ता और विवान कपूर पुरुषों के ट्रैप इवेंट में हिस्सा लेंगे। महिलाओं की ट्रैप टीम में प्रगति दुबे, कीर्ति गुप्ता और राजेश्वरी कुमारी हिस्सा होंगी।

पुरुषों की स्कीट टीम में गुरजोत सिंह खंगुरा, परमपाल सिंह गुरोन और अभय सिंह सेखों शामिल हैं, जबकि गनेमत सेखों, दर्शना राठौर और यशस्वी राठौर महिलाओं की स्कीट प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राइफल इवेंट्स में, पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल में पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, महिलाओं की प्रतियोगिता में इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पडेकर को चुना गया है।

इसके अलावा, भारत 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम, 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम और ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट्स में भी टीमें उतारेगा।

भारत के मेडल इवेंट्स का शेड्यूल

22 जुलाईः

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम फाइनल।

पुरुषों का 10 मीटर एयर राइफल फाइनल।

23 जुलाईः

महिलाओं का 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन फाइनल।

महिलाओं का स्कीट फाइनल।

फाइनल में हार के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस से रोते हुए बाहर निकले अर्जेंटीना के कोच स्कालोनी

न्यूयॉर्क ,एजेसीं। अर्जेंटीना का लगातार दूसरी बार खिताब जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना को स्पेन के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद अपने भविष्य के बारे में पूछे जाने पर अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए और रोते हुए मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस से बाहर चले गए। स्कालोनी का कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर में खत्म हो रहा है। अर्जेंटीना अगर फाइनल में बाजी मारने में सफल रहता, तो स्कालोनी खिताब का बचाव करने वाले इतिहास के दूसरे हेड कोच बन जाते। हालांकि, अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस द्वारा किए गए गोल ने उनका सपना तोड़ दिया और स्पेन दूसरी बार चैंपियन बनने में सफल रहा। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'मैं प्रेसिडेंट से बात करूंगा। मेरे मन में एक विचार है कि मैं क्या करना चाहता हूं। मैं अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा करूंगा, और मुझे जरूरत महसूस होती है; मुझे नहीं पता कि क्या इतना बड़ा कुछ किया जा सकता है। हमें इस पर बात करने की आवश्यकता है। 'अर्जेंटीना के कोच ने आगे कहा, 'मैं प्रेसिडेंट का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे इस जगह पर आने का मौका दिया, जहां मैं अभी हूं। यह हर किसी के लिए एक सपनों की जगह थी। खिलाड़ियों और स्टाफ ने आखिरी मिनट तक अपना सब कुछ देने की कोशिश की। मुझे लगता है कि यह सही है कि मैं इस बारे में सोचने के लिए खुद को थोड़ा समय दूं।

'हमने आखिरी तीन ओवर में अधिक रन दिए',

शुभमन गिल ने गेंदबाजों को ठहराया तीसरे वनडे में हार के लिए जिम्मेदार

लंदन ,एजेसीं। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में 27 रनों से हार का सामना करना पड़ा। लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लिश टीम से मिले 388 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की टीम 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने हार के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार ठहराया। मैच के बाद कप्तान गिल ने माना कि आखिरी के तीन ओवरों में अधिक रन देना टीम को भारी पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि 45वें ओवर तक हम गेम में बने हुए थे। हमने आखिरी तीन ओवरों में बहुत ज्यादा रन दे दिए। मुझे लगता है कि हमने लगभग 60 रन दिए और वही से मैच हमारे हाथ से थोड़ा निकल गया।' गिल ने कहा कि भारतीय टीम को पूरी उम्मीद थी कि वह इस रन चेज को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा, 'हां, बिल्कुल, हमने सोचा कि अगर 40 ओवर के बाद हमारे पास विकेट बचे रहे, तो हम मैच में बने रहेंगे। हालांकि, साथ ही, हम गेम में बहुत पीछे भी नहीं रहना चाहते थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि पावरप्ले के बाद हमने रन बनाना शुरू किया और रन रेट को छह या साढ़े छह के आसपास बनाए रखा। अगर हम छह या साढ़े छह के आसपास खेलते रहते और फिर आखिरी 10 ओवर में 100-110 रन बना लेते, तो कुछ भी हो सकता था। ' भारतीय कप्तान के अनुसार, गेंदबाजों का प्रदर्शन इस सीरीज में निराशाजनक रहा। उन्होंने कहा, 'हां, मतलब, लगभग सभी बल्लेबाजों ने मैचों में रन बनाए।

'अगर शोर-शराबा न हो, तो मजा नहीं आता',

संन्यास की अटकलों पर रोहित ने अपने बयान से लगाया विराम

नई दिल्ली ,एजेसीं। लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे वनडे में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 27 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, रोहित शर्मा बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 138 रनों की दमदार पारी खेली। मैच के बाद रोहित ने अपने संन्यास को लेकर चल रही तमाम तरह की अफवाहों को भी खारिज कर दिया है। रोहित ने कहा कि बाहरी शोर-शराबे ने उन्हें कभी भी टीम की सफलता में योगदान देने से नहीं रोका है। अपने पूरे करियर के दौरान लगातार हो रही आलोचनाओं और चर्चाओं पर बात करते हुए रोहित ने साफ किया कि भविष्य को लेकर हो रही बातों के बावजूद उनका ध्यान नहीं भटका है। बीसीसीआई द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए एक वीडियो में रोहित ने कहा, 'मेरा काम बल्ले से खेलना है। मैदान पर उतरना, अपने देश और टीम का प्रतिनिधित्व करना। मैंने जब से डेब्यू किया है, मुझे यही करने के लिए कहा गया है। इसी वजह से मैं यही करता रहूंगा। आप जानते हैं कि जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से ही शोर-शराबा होता रहा है और जब तक मैं यहां रहूंगा, यह हमेशा होता रहेगा। इसी कारण मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। ' पूर्व भारतीय कप्तान ने आगे कहा, 'मेरे लिए मायने यह रखता है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं। मैं टीम की सफलता में योगदान देने की कोशिश करता हूं। अभी मेरा पूरा ध्यान इसी पर है और शोर-शराबे को होने दें। आप जानते हैं कि अगर शोर-शराबा न हो, तो मजा नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है; उनका काम बाहर है। इसे इसी नजरिए से देखता हूं। 'रोहित वनडे में लॉर्ड्स के मैदान पर शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 17 चौके और 5 छक्के लगाए। हालांकि, वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। रोहित ने कहा कि अगर भारत इस रन चेज को सफलतापूर्वक पूरा करता, तो एक और नया रिकॉर्ड कायम होता।उन्होंने कहा, 'नतीजे से थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मुझे लगा कि हम बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे। बर्मिंघम में हमने जिस तरह से शुरुआत की, वह बहुत अच्छा था। असल में, कार्डिफ में हम बल्लेबाजी में थोड़े पीछे रह गए। स्कोरबोर्ड पर काफी रन नहीं थे। और फिर यहां भी हमें एक बहुत बड़ा स्कोर चेज करना था। हमने बल्लेबाजी में पूरी कोशिश की, लेकिन फिर भी 20-25 रन पीछे रह गए।रोहित ने भारतीय टीम के गेंदबाजों का बचाव किया।

'टीम में ऐसी कोई चर्चा नहीं है', रोहित के संन्यास की अफवाहों को कप्तान गिल ने किया खारिज

लंदन ,एजेसीं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही तमाम तरह की अटकलों को खारिज किया है। कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा था कि लॉर्ड्स में तीसरे वनडे के बाद रोहित इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। रोहित शर्मा ने अपनी फॉर्म को लेकर उठ रहे सभी सवालों के जवाब लॉर्ड्स में बल्ले से दिए। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 110 गेंदों में 138 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान रोहित ने 17 चौके और 5 छक्के लगाए। रोहित की पारी की बदौलत भारतीय टीम इंग्लैंड से मिले 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 360 रनों तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे। इंग्लैंड से तीसरे वनडे में भारत की 27 रनों की हार के बाद गिल से पूछा गया कि क्या उन्होंने रोहित के भविष्य के बारे में कुछ सुना है, तो कप्तान ने कहा कि टीम के अंदर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। गिल ने कहा, ' उन्होंने हमें कुछ नहीं बताया है। मुझे लगता है कि यह सब मीडिया में चल रहा है, लेकिन टीम में ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। ' रोहित ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दी और कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 147 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई।

पीसीबी ने श्रीलंका दौरे के लिए महिला टीम में कई बदलाव किये

लाहौर ,एजेसीं। पाकिस्तान ने श्रीलंका दौरे के लिए अपनी महिला क्रिकेट टीम में बदलाव करते हुए सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली को टी20 जबकि ऑलराउंडर फातिमा सना को एकदिवसीय के लिए कप्तान बनाया है। पाकिस्तान की टीम को अपने इस दौर में श्रीलंका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति ने दौरे के लिए अपनी 15 सदस्यीय में कई बदलाव किये हैं। चयनकर्ताओं को उम्मीद है कि उसके किये आठ बदलावों से टीम बेहतर होकर उभरेगी। इससे टीम एक नई ऊर्जा और रणनीतिक के साथ उतरेगी।पाक महिला टीम श्रीलंका के दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज और उसके बाद उतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। यह पूरा दौरा हंबनटोटा में आयोजित किया जाएगा, इसकी शुरुआत 23 जुलाई को होगी और ये 4 अगस्त तक चलेगी। यह दौरा पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए विशेष रूप से अहम है क्योंकि एकदिवसीय सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 का हिस्सा रहेगी। ये इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें हासिल अंक अगले आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधी योग्यता निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। ऐसे में, फातिमा सना पर न केवल टीम को जीत दिलाकर महत्वपूर्ण अंक बटोरने की जिम्मेदारी होगी, बल्कि विश्व कप की राह में एक मजबूत शुरुआत करने का भी दबाव होगा। फातिमा अपनी प्रभावशाली तेज गेंदबाजी और निचले क्रम की बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, एकदिवसीय सीरीज के बाद वह टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। वह इंग्लैंड में होने वाली प्रतिष्ठित द हंड्रेड टूर्नामेंट में भागे लेने जाएंगी। द हंड्रेड जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में फातिमा का खेलना पाकिस्तानी महिला क्रिकेट के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह न केवल उन्हें विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेगा, बल्कि इससे अन्य पाकिस्तानी महिला क्रिकेटरों को भी बड़े मंचों पर खेलने के अवसर मिलेंगे। फातिमा के नहीं होने पर मुनीबा को टी20 सीरीज के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुनीबा, एक कुशल विकेटकीपर-बल्लेबाज, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और मैदान पर अपनी समझ के लिए जानी जाती हैं। उनके लिए यह एक बड़ा अवसर है, क्योंकि वह पहली बार राष्ट्रीय टीम की कप्तानी करेंगी। आठ बदलावों के साथ टी20 टीम में युवा प्रतिभाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का एक संतुलित मिश्रण देखने को मिलेगा। यह चयनकर्ताओं की भविष्य की रणनीति का भी संकेत हो सकता है ।

एकदिवसीय टीम :

● फातिमा सना (कप्तान), आयशा जफर, गुल फिरोजा, महम अनीस, मोमिना रियासत, मुनीबा अली, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, सदफ शमास, सायरा जबीन, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह, तस्मिया रुबाब, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

पाकिस्तान महिला टी20 टीम :

● मुनीबा अली (कप्तान), आयशा जफर, इमान नसीर, एमान फातिमा, हुम्ना बिलाल, महम अनीस, मोमिना रियासत, नजीहा अल्वी, नशरा सुंधू, सायरा जबीन, शवाल जुल्फिकार, तस्मिया रुबाब, तूबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर

बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास पर गिरी गाज, आचार संहिता उल्लंघन मामले में फंसे स्टार बल्लेबाज

बांग्लादेश टी20 टीम के कप्तान लिटन दास मुश्किलों में घिर गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए तय नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में उन्हें अनुशासन समिति के सामने पेश होने के लिए तलब किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोट से उबर रहे लिटन दास ने बोर्ड को जानकारी दिए बिना चीन की यात्रा की, जिसके बाद यह पूरा मामला सामने आया। लिटन फिलहाल चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद क्रिकबज़ इस मामले में किसी तरह की रियायत देने के मूड में नहीं है। बोर्ड अब उनके स्पष्टीकरण और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे का फैसला करेगा। क्या है पूरा मामला रिपोर्ट्स के अनुसार, लिटन दास को 20 जुलाई को अपनी पिंडली (काफ) की चोट की विशेष जांच के लिए सिंगापुर जाना था। इसी चोट के कारण वह हालिया जिम्बाब्वे टी20 सीरीज और मौजूदा लंका प्रीमियर लीग (LPL) 2026 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि इसी बीच खबर सामने आई कि जिम्बाब्वे दौरे के बाद वह क्रिकबज़ को बिना सूचित किए चीन चले गए। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए बोर्ड की अनुमति के बिना विदेश यात्रा करना नियमों का उल्लंघन माना जाता है। BCB ने क्या कहा क्रिकबज़ की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकबज़ के एक सूत्र ने कहा, 'वह (लिटन) चीन गए थे, जिसे बोर्ड ने गंभीरता से लिया। बोर्ड ने उन्हें बुलाकर पूछा कि वह किसकी अनुमति से और क्यों गए थे।'

10 हजार 909 रुपये प्रति मानक बोरा तक मिली रिकॉर्ड गीदम समिति ने रचा इतिहास

38 वर्षों में सबसे अधिक कीमत पर बिका तेंदूपत्ता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले की गीदम प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति ने तेंदूपत्ता विक्रय में 38 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया है। 16 जुलाई 2026 को आयोजित ऑनलाइन निविदा में गीदम समिति के तेंदूपत्ते को 10,909 प्रति मानक बोरा तक का ऐतिहासिक मूल्य प्राप्त हुआ है। दंतेवाड़ा जिले की प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति गीदम ने तेंदूपत्ता विक्रय में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा आयोजित ऑनलाइन निविदा में समिति का तेंदूपत्ता 10 हजार 609 रुपये और 10 हजार 909 रुपये प्रति मानक बोरा की रिकॉर्ड दर पर बिका। यह गीदम समिति के 38 वर्षों के इतिहास में तेंदूपत्ता विक्रय की सबसे अधिक कीमत है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे वनाश्रित परिवारों की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया और गुणवत्तापूर्ण कार्यप्रणाली का लाभ अब सीधे तेंदूपत्ता संग्रहकों तक पहुंच रहा है। करीब 4 हजार संग्राहक परिवारों को मिलेगा बोनस का लाभ वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि तेंदूपत्ता रिकॉर्ड दर पर बिकने से समिति को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी। इसका लाभ बोनस के रूप में समिति से जुड़े करीब 4 हजार तेंदूपत्ता संग्रहक परिवारों को मिलेगा। इससे वनाश्रित परिवारों की आय बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। डिजिटल व्यवस्था से भुगतान में पारदर्शिता राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण, बोनस, छात्रवृत्ति, बीमा और अन्य लघु वनोपज योजनाओं में डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से संग्रहकों के बैंक खातों में राशि सीधे जमा की जा रही है। इससे भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध हुई है। सामूहिक प्रयासों से मिली ऐतिहासिक सफलता वन मंत्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए मुख्य वन संरक्षक, दंतेवाड़ा वनमंडलाधिकारी, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ, समिति के पदाधिकारियों, फड़ मुंशियों और सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से गीदम समिति ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वनाश्रित परिवारों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लघु वनोपज के माध्यम से उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। आने वाले समय में भी तेंदूपत्ता और अन्य लघु वनोपज से जुड़े परिवारों को बेहतर आर्थिक लाभ दिलाने के प्रयास जारी रहेंगे।

1000 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में रायपुर का कारोबारी महेंद्र गोयनका गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। यूरो कंपनी से जुड़े करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता पुलिस ने रायपुर के कारोबारी महेंद्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी को दिल्ली की अदालत में पेश करने के बाद 10 दिन की ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। फर्जी दस्तावेजों से कंपनियों पर कब्जे का आरोप जानकारी के अनुसार, महेंद्र गोयनका पर आरोप है कि उसने मध्यप्रदेश के भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में फर्जी दस्तावेज और जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल कर कंपनी के नियंत्रण और करोड़ों रुपये की संपत्तियों पर कब्जा करने की कोशिश की। शिकायतकर्ताओं हरनीत लांबा और सुरेंद्र सलूजा ने कटनी के कोतवाली और माधवनगर थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं, कंपनी का मुख्यालय कोलकाता में होने के कारण वहां भी मामला दर्ज किया गया था। प्रबंधक रहते हुए की कथित हेराफेर शिकायत के मुताबिक, यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में प्रबंधकीय पद पर रहते हुए महेंद्र गोयनका ने अपनी पत्नी और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए। आरोप है कि उसने कंपनी के दो डायरेक्टरों को हटाकर उनकी जगह चार नए डायरेक्टर नियुक्त करवा दिए और वित्तीय लेन-देन में अनियमितता कर करोड़ों रुपये का गबन किया।जांच एजेंसियों का दावा है कि पूरे मामले में करीब 1000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता और धोखाधड़ी हुई है। कोलकाता और मध्यप्रदेश में दर्ज है मामलाइस मामले में वर्ष 2024 में कोलकाता में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 120बी, 467, 468 और 471 समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा मध्यप्रदेश में भी शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। दिल्ली से हुई गिरफ्तारी कोलकाता पुलिस को सूचना मिली थी कि महेंद्र गोयनका दिल्ली में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अदालत से रिमांड मिलने के बाद आरोपी को कोलकाता ले जाया गया है, जहां उससे धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और वित्तीय लेन-देन से जुड़े मामलों में पूछताछ की जा रही है।झ

दिव्यांगजनों के लिए भरोसे का माध्यम बनी सीएम हेल्पलाइन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सीएम हेल्पलाइन प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों के लिए यह व्यवस्था राहत, विश्वास और सुशासन का प्रतीक बन रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से लंबे समय से लंबित मामलों का भी समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी प्रमनाथ मिर्रे का मामला इसका एक प्रेरक उदाहरण है। दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करने के बावजूद उनकी पेंशन स्वीकृत नहीं हो पा रही थी, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। जब अन्य प्रयास सफल नहीं हुए, तब उनके पुत्र प्रताप मिर्रे ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने प्रकरण को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। सभी आवश्यक प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूरी की गई और मात्र 12 दिनों के भीतर शिकायत का निराकरण कर प्रमनाथ मिर्रे की दिव्यांग पेंशन प्रारंभ कर दी गई।पेंशन शुरू होने के बाद प्रमनाथ मिर्रे और उनके परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार जताया।

रक्षाबंधन पर बिखरेगा हरियाली का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रक्षाबंधन पर केवल भाई-बहन का प्रेम ही नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी दिया जा सकता है। पेड़ों को राखी बांधकर उन्हें अपनी रक्षा का वचन देना और मिट्टी से बने इको-फ्रेंडली पौधे वाली राखियों का इस्तेमाल पर्यावरण को हरा-भरा रखने में मदद करता है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में स्व-सहायता समूहों की दीदियां इस बार रक्षाबंधन के पर्व को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने की एक अनूठी मिसाल पेश कर रही हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला पंचायत रायगढ़ और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के सहयोग से जिले भर में पर्यावरण-अनुकूल बीज राखियां तैयार की जा रही हैं। फेंकने पर अंकुरित होंगे देसी बीज इन राखियों की सबसे विशेष बात यह है कि इन्हें धान, मक्का, भुट्टा, सेमी, करेला और बरबटी जैसे विभिन्न देसी बीजों से बेहद आकर्षक ढंग से बनाया जा रहा है। यदि त्योहार के बाद यह राखी मिट्टी में मिल जाती है या बाहर फेंक दी जाती है, तो इसमें लगे बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले लेंगे। इससे भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। गांव-गांव में दिख रहा उत्साह जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस अभियान को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह है। धरमजयगढ़ के ग्राम दुलियामुड़ा-कोयलार में कृष्णा स्व-सहायता समूह की सक्रिय महिला कविता राठिया ने आकर्षक बीज राखियां तैयार कर मिसाल पेश की है। रायगढ़ के बैसपाली, जुनवानी, लोइंग, गोपालपुर, संबलपुरी, लैलूंगा, तमनार के लिबरा गांव (जननी समूह), घरघोड़ा के बड़ेगुमड़ा (गायत्री समूह) और पुसौर के पुटकापुरी क्लस्टर सहित जिले भर की कृषि सखियां और महिलाएं इस कार्य में जुटी हुई हैं। सातों विकासखंडों से चुनी जाएगी सर्वश्रेष्ठ बीज राखी रायगढ़ जिले के सभी सातों विकासखंडों में इस रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कल यानी 20 जुलाई को जिले के सभी सात विकासखंडों से एक-एक सर्वश्रेष्ठ बीज राखी का चयन किया जाएगा। चयन का आधार राखी की आकर्षक डिज़ाइन, देसी बीजों का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जैसी खूबियों को बनाया जाएगा। जिले के शीर्ष अधिकारियों को राखी बांधेंगी विजेता दीदियां प्रतियोगिता में चुनी जाने वाली सातों विकासखंडों की विजेता दीदियों को 27 जुलाई को एक विशेष गरिमामय समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर ये दीदियां स्वयं कलेक्टर सहित जिले के शीर्ष अधिकारियों को अपने हाथों से बनाई हुई बीज राखी बांधेंगी।

क्षितिज' कोचिंग के 32 विद्यार्थियों NEET-UG 2026 में किया शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुकमा जिले के दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित निःशुल्क 'क्षितिज' JEE-NEET कोचिंग सेंटर के 32 विद्यार्थियों ने ह्रश्वश्वञ्ज-त्व 2026 की क्वालिफाइंग कटऑफ पार कर जिले का नाम रोशन किया है। इनमें से 13 विद्यार्थियों के शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में प्रवेश लेने की प्रबल संभावना है। आदिवासी और ग्रामीण परिवार के विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग से मिला सपनों को पंख सुकमा के आदिवासी और ग्रामीण परिवारों से आने वाले इन विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी आसान नहीं थी। ऐसे में जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'क्षितिज' कोचिंग सेंटर उनके लिए नई उम्मीद बनकर सामने आया। यहां विद्यार्थियों को विशेषज्ञ शिक्षकों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क कोचिंग, नियमित मार्गदर्शन और परीक्षा की बेहतर तैयारी का अवसर मिला। विद्यार्थियों ने कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से ह्रश्वश्वञ्ज-त्व जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल की। इस उपलब्धि के लिए वन एवं जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और शुभकामनाएं दी है। प्रशासन के मार्गदर्शन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा यह उपलब्धि जिला प्रशासन की शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। कलेक्टर अमित कुमार के कुशल नेतृत्व तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर और जिला शिक्षा अधिकारी जी. आर. मण्डावी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया गया।प्रशिक्षण प्रदाता संस्था 'कैंप एकेडमी' के अनुभवी शिक्षकों सूरज सिंह, सोनम सिंह, निधि चौहान और राजनीश पटेल ने विद्यार्थियों को नियमित कक्षाओं, विषयवार मार्गदर्शन और परीक्षा की रणनीति के माध्यम से तैयार किया।सफलता से बढ़ा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास'क्षितिज' कोचिंग सेंटर के विद्यार्थियों की इस सफलता से जिले के अन्य विद्यार्थियों में भी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर उत्साह बढ़ा है। दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या संसाधन की मोहताज नहीं होती। यदि सही मार्गदर्शन, बेहतर अवसर और निरंतर मेहनत मिले, तो सुदूर गांवों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं।

सीबीएसई 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा 28 जुलाई को, बोर्ड ने जारी की डेटशीट

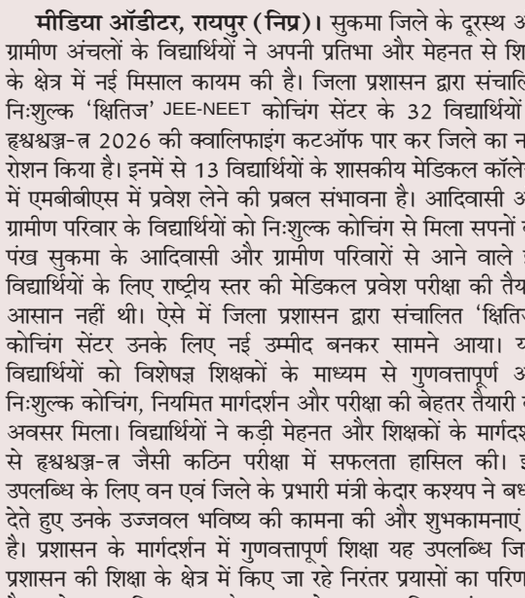

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा 2026 की डेटशीट जारी कर दी है। इस वर्ष सभी विषयों की परीक्षा 28 जुलाई (मंगलवार) को एक ही दिन आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होंगी, जबकि विषय के अनुसार परीक्षा की अवधि दो या तीन घंटे निर्धारित की गई है बोर्ड के अनुसार अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, बिजनेस स्टडीज, अकाउंटेंसी, कंप्यूटर साइंस, फिजिकल एजुकेशन, साइकोलॉजी, इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज, एंटरप्रेन्योरशिप, लीगल स्टडीज, होम साइंस, रिटेल, आईटी, वेब एप्लीकेशन, टूरिज्म, बैंकिंग और हेल्थ केयर सहित अधिकांश विषयों की परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक होगी। वहीं हिंदुस्तानी संगीत, पेंटिंग, कमर्शियल आर्ट और योग जैसे विषयों के लिए दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है और उनकी परीक्षा सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चलेगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अंतिम परिणाम तैयार करते समय थ्योरी परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ अंक को स्कूल द्वारा पहले से भेजे गए इंटरनल असेसमेंट और प्रैक्टिकल अंकों के साथ जोड़ा जाएगा। यदि किसी छात्र ने दोनों परीक्षाएं दी हैं,

नेटबॉल प्रतियोगिता में जांजगीर-चांपा ने दुर्ग को हराकर जीता राज्य स्तरीय खिताब

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी के सप्रे मैदान एवं डिग्री गर्ल्स कॉलेज मैदान में आयोजित 'प्रथम छत्तीसगढ़ सीनियर राज्य स्तरीय मिक्स नेटबॉल प्रतियोगिता' का रंगारंग समापन हुआ। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जांजगीर-चांपा की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दुर्ग की मजबूत टीम को 25-21 के स्कोर से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, राजनांदगांव और गरियाबंद की टीमें संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। समापन समारोह छत्तीसगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी अकरम खान के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि में सैयद राजा, उमेश ठाकुर, श्रेयांश जैन , अनील सिंह,एस मोहन राव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुमित मजूमदार उपस्थित थे।कार्यक्रम में नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह, रायपुर जिला संघ के सचिव अनूप यदु एवं एनएफआई ऑब्जर्वर पवन पटले की विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता को सफल बनाने में प्रदेश के विभिन्न जिला संघों के पदाधिकारियों ने सक्रिय योगदान दिया, जिनमें दुर्ग जिला सचिव मोहनराव, धमतरी जिला सचिव गोपाल साहू, सरगुजा जिला सचिव रजत सिंह, सूरजपुर जिला सचिव राहुल सिंह, जशपुर जिला सचिव खुशबू गुप्ता, कोरबा जिला अध्यक्ष खुशबू राठौर, बलौदा बाजार-भाटापारा से संदीप वर्मा, राजनांदगांव से ऋषि मेश्राम, गरियाबंद से अनिल सिंह, शक्ति से चंद्र प्रकाश तिवारी, रायगढ़ से अभिषेक गुप्ता, कांकेर से सुनील सिंह और मुंगेली से स्वप्निल चुनेकर प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा राष्ट्रीय खिलाड़ी इमरान खान, प्रशांत जेकब और अन्य जिलों के अध्यक्ष व सचिवों ने प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।16 जिलों के 250 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ एवं नेटबॉल एसोसिएशन ऑफ रायपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश से 16 जिलों की टीमों ने हिस्सा लिया। राउंड-रॉबिन लीग फॉर्मेट में कुल 24 लीग मैच, 4 क्वार्टर फाइनल, 2 सेमीफाइनल और 1 फाइनल मैच खेला गया। प्रतियोगिता में लगभग 250 खिलाड़ी, कोच, मैनेजर और ऑफिशियल शामिल हुए। राष्ट्रीय टीम के चयन की प्रक्रिया शुरू नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मीना केरकेट्टा ने सभी विजेता टीमों को बधाई दी और आगामी 'तीसरी राष्ट्रीय सीनियर मिक्स नेटबॉल प्रतियोगिता' के लिए छत्तीसगढ़ की एक मजबूत टीम तैयार करने पर जोर दिया।

दिवंगत आरक्षक के परिवार से 19 लाख की वसूली का आरोप, थाना प्रभारी गिरफ्तार, अधिवक्ता फरार

एक करोड़ के बीमा दावे में कथित हेराफेरी का मामला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के खिलाफ राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नारायणपुर में एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई की गई है। सड़क दुर्घटना में दिवंगत डीएसएफ आरक्षक स्व. धनेश्वर नुरेटी की पत्नी को मिले एक करोड़ रुपये के दुर्घटना बीमा दावे में कथित अनियमितता और अवैध वसूली के आरोपों पर पुलिस ने तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेश चंद्र यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में एक अधिवक्ता पर भी गंभीर आरोप लगे हैं, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार डीएसएफ आरक्षक स्व. धनेश्वर नुरेटी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद उनकी पत्नी के बैंक खाते में भारतीय स्टेट बैंक के वेतन पैकेज के अंतर्गत एक करोड़ रुपये की दुर्घटना बीमा राशि प्राप्त हुई थी। आरोप है कि तत्कालीन थाना प्रभारी सुरेश चंद्र यादव और अधिवक्ता कृष्ण कुमार वर्मा ने बीमा राशि दिलाने के नाम पर मृतक के परिजनों से 19 लाख रुपये ले लिए। इतना ही नहीं आरोपियों ने कथित रूप से शेष बीमा राशि में भी 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग की। परिजनों द्वारा इसका विरोध करने पर उन्हें कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराने, कानूनी कार्रवाई में फंसाने और लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की धमकी दी गई। आरोपियों की लगातार अतिरिक्त रकम की मांग से परेशान होकर मृतक आरक्षक के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नारायणपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ में मानसून मेहरबान, कई जिलों में झमाझम बारिश; रायपुर समेत 11 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे नदी-नाले उफान पर हैं और कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजधानी रायपुर में रविवार दोपहर हुई झमाझम बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्सों के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार सबसे अधिक 8 सेंटीमीटर वर्षा मनेन्द्रगढ़ में दर्ज की गई। इसके अलावा बिल्हा और मैनपुर में 7-7 सेंटीमीटर, पटना में 6 सेंटीमीटर तथा मुंगेली, गरियाबंद, जनकपुर-भरतपुर, रामानुजगंज, बैकुंठपुर, लोरमी, लालपुर थाना, मगरलोड और चिरमिरी में 5-5 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। नगरी, कुकरेल, रतनपुर, हरदीबाजार, पथरिया, मुकडेगा, बलौदा बाजार, पलारी और भाटापारा में 4-4 सेंटीमीटर, जबकि कुकदुर, मनोरा, पेंड्रा रोड, खड़गवां, कापू, कोंटा, सिमगा, पौड़ी उपरोड़ा, धमतरी, दर्री, बोदरी, मस्तूरी, बीजापुर, पिथौरा और सकरी में 3-3 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में सोमवार को भी मौसम सुहावना बने रहने का अनुमान है। दिनभर आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार झारखंड और उससे सटे बिहार के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही उत्तरी बिहार से उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक द्रोणिका बनी हुई है। वहीं उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर भी ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इन मौसमी प्रणालियों के प्रभाव से प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने सोमवार सुबह राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं और भारी बारिश हो सकती है।इसके अलावा उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, दुर्ग सहित कई अन्य जिलों के लिए अगले तीन घंटे के दौरान यलो अलर्ट जारी किया गया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा